



टी.आई.एल. एक्सप्रेस

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-17

अंक-49

पृष्ठ-12

मूल्य दो रुपया

बांदा, रविवार 18 अक्टूबर, 2026

RNI No.: UPHIN2008/32664

फ्रांस और बांग्लादेश में जैसी हिंसा हुई, वैसी ही भारत के लिए भी रची गई थी : किरें रिजजू



नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण द्वारा दिए गए रिजीम चेंज वाले बयान के बाद राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी हुई है। वर्तमान में फ्रांस की हालत देखने के बाद भाजपा की तरफ से कहा जा रहा है कि देश को बांग्लादेश और फ्रांस की तरह हिंसा में झोंकने की साजिश की जा रही थी। केंद्रीय मंत्री किरें रिजजू ने आरोप लगाया कि भारत विरोधी तत्व राजनेताओं के साथ मिलकर युवाओं को भड़काने और भारत में हिंसा फैलाने की साजिश

रच रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से फ्रांस और बांग्लादेश में हिंसा हुई है। ठीक उसी तरह की साजिश भारत के लिए भी रची गई थी।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए गए एक पोस्ट में फ्रांस और बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों और लूटपाट का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, बांग्लादेश में जो हिंसक घटना हुई और फ्रांस में जो दंगे, आगजनी और लूटपाट हुई है। भारत के लिए भी ठीक वैसी ही साजिश रची गई थी। बता दें, बांग्लादेश में कथित तौर पर छात्र आंदोलन के नाम पर शुरू हुई हिंसा में दर्जनों लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद भीड़ ने प्रधानमंत्री आवास का घेराव कर लिया। इसके बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा था। बाद में प्रदर्शनकारी उनके इनरवियर लहराते हुए देखे गए थे। इसके अलावा शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाओं और उनकी निशानियों को भी आग के हवाले कर दिया

गया था।

वर्तमान में फ्रांस में भी यही हाल देखने को मिल रहा है। छात्र आंदोलन के नाम पर शुरू हुए प्रदर्शनों ने सड़क पर कब्जा कर लिया है। दुकानें और व्यापार लूटे जा रहे हैं। फ्रांस की कई ऐतिहासिक इमारतों को आग के हवाले कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भारत-विरोधी समूहों और कुछ राजनेताओं ने मिलकर युवाओं को उकसाने और सड़कों पर हिंसा भड़काने की साजिश रची थी। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा, भारत-विरोधी गिरोहों और कुछ राजनेताओं ने युवाओं को भड़काने और हमारी सड़कों पर हिंसा फैलाने के लिए मिलीभगत की थी। लेकिन इस खतरनाक साजिश को रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन करने का केवल एक ही तरीका है। वह है कि चुनावी प्रक्रिया। उन्होंने लिखा, भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल संभव है। लेकिन केवल चुनाव के जरिए, यह सोरोस (जॉर्ज सोरोस) के जरिए नहीं होगा।

मंडी के बाहर भीषण जाम, एंबुलेंस समेत सैकड़ों वाहन फंसे

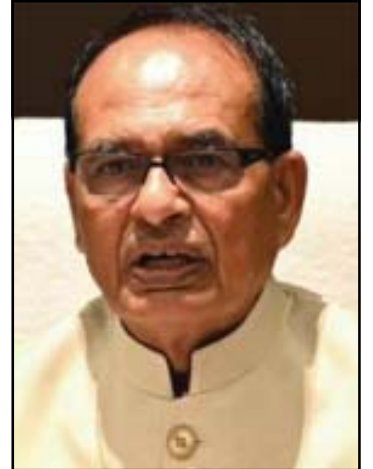
भोपाल। बैतूल के बडोरा क्षेत्र स्थित कृषि उपज मंडी के बाहर सोयाबीन, मक्का और गेहूं की भारी आवक तथा नवरात्र के दौरान बढ़ी भीड़ के चलते भीषण जाम लग गया।

मुख्य मार्ग पर कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लगने से एंबुलेंस सहित सैकड़ों वाहन घंटों फंसे रहे। इससे मरीजों और आम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंडी में फसल बेचने पहुंचे किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप और ट्रकों की लंबी कतारों के कारण यातायात बाधित हुआ।

‘रिजीम चेंज गैंग’ पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का प्रहार

भोपाल, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सत्ता परिवर्तन यानी रिजीम चेंज से जुड़ी बहस के बीच कांग्रेस और पूरे विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर ‘रिजीम चेंज गैंग’ का उल्लेख करते हुए गंभीर आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह समूह देश में सत्ता बदलने का सपना देखता है, षड्यंत्र रचता है, झूठ फैलाता है और मनगढ़ंत नैरेटिव गढ़ने का काम करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की जनता के मजबूत जनादेश के आगे इस समूह के सारे सपने केवल साबुन के बुलबुले की भांति फूट जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब देश के राजनीतिक गलियारों में रिजीम चेंज को लेकर तीखी बयानबाजी जारी है। हाल ही में कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से सरकार बदलने की बात रखी थी। इसके अलावा



वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई का जिक्र किया था। इस पूरे विषय पर राहुल गांधी और विपक्षी दलों की भावी राजनीति को लेकर व्यापक बहस चल रही है। यद्यपि शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में किसी भी नेता का व्यक्तिगत नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने रिजीम चेंज गैंग शब्द का प्रयोग करके विपक्षी खेमे पर सीधा प्रहार किया।

दो अग्निवीरों को मिलेगा आगे सेवा का मौका, सीएम धामी ने पीएससी में समायोजन को दी मंजूरी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने सेना से सेवानिवृत्त होने जा रहे दो अग्निवीरों को आगे भी सेवा का अवसर देने की दिशा में कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दोनों अग्निवीरों को 40वीं वाहिनी प्रादेशिक सशस्त्र बल (पीएसबी) में उपलब्ध रिक्त पदों के सापेक्ष समायोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

ये दोनों जवान अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और नवंबर 2026 में सेवानिवृत्त होने जा रहे पहले बैच का हिस्सा हैं। भारत सरकार के संयुक्त सचिव की ओर से भेजे गए पत्र में उत्तराखंड के इन दो अग्निवीरों के समायोजन की अपेक्षा की गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने इस प्रस्ताव पर सहमति दी। मुख्यमंत्री की मंजूरी के अनुसार, दोनों अग्निवीरों को 40वीं वाहिनी पीएसबी में उपलब्ध रिक्त



पदों के सापेक्ष समायोजित किया जाएगा। इससे सेना में सेवा देने के बाद उन्हें राज्य में भी काम करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अग्निवीर सेना में सेवा के दौरान अनुशासन, कौशल और अनुभव हासिल करते हैं। ये क्षमताएं राज्य के लिए भी उपयोगी साबित हो सकती हैं।

आईएचएमएस के छात्रों ने कण्वाश्रम में चलाया स्वच्छता अभियान

कोटद्वार, एजेंसी। आईएचएमएस संस्थान के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत ऐतिहासिक कण्वाश्रम में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्लास्टिक कचरा एकत्र कर उसका निस्तारण किया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कॉलेज के प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित माउंटन क्लीनिंग ड्राइव के तहत बीबीए के छात्र-छात्राएं कण्वाश्रम पहुंचे और परिसर में आसपास के क्षेत्रों में फैले प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया। साथ ही पार्क में घूमने आने वाले लोगों को कचरा इधर-उधर न फेंकने और खाने-पीने के बाद प्लास्टिक कचरे को निर्धारित कूड़ेदान में डालने के लिए प्रेरित किया।

नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग

जम्मू। अपनी पार्टी किसान विंग के अध्यक्ष बदीनाथ शर्मा ने एससी सेल के अध्यक्ष बोधराज के साथ संभागीय आयुक्त जम्मू विकास कुंडल से मुलाकात कर हाल ही में भारी बारिश, ओलावृष्टि, अचानक आई बाढ़ और आकाशीय बिजली से किसानों व पशुपालकों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की। इस संबंध में उन्होंने संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कराने और पात्र परिवारों को समय पर राहत उपलब्ध करवाने की अपील की।

ज्ञापन में खाड़ी फसलों, बागवानी उत्पादों, सब्जियों, पाधशालाओं, पशुधन और कृषि ढांचे को हुए नुकसान का निष्पक्ष आकलन करने पर जोर दिया गया।



खेलकूद में ऐंचवारा टीम ने मारी बाजी दिव्यांग बाइक सवार चचेरे भाइयों को कार ने मारी टक्कर, दोनों की मौत



टी0आई0एल0 संवाददाता चित्रकूट। पकौवा देवी संस्कृत महाविद्यालय में मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आगाज हुआ। पहले दिन ऐंचवारा संकुल 20 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहा। सरैया 18 अंकों के साथ दूसरे और रुखमा 17 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

प्राचार्य रेणुका शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। 50 मीटर दौड़ में उमरी के सुरेंद्र कुमार प्रथम और ककरौली के कार्तिक द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में सेहरिन की सानू प्रथम, गजटा की मोहिनी द्वितीय और पोखरी पुरवा की पिकी पांडेय

तृतीय रहीं। 100 मीटर दौड़ में सेहरिन के नीरज ने पहला, सरैया के ज्ञानचंद ने दूसरा और अगरहुंडा के अमित ने तीसरा स्थान जीता। कबड्डी, खो-खो, ऊंची कूद और लंबी कूद के भी रोमांचक मुकाबले हुए।

बालिकाओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। एआरपी मनोज शुक्ला, मानवेंद्र मिश्रा, डॉ. संग्राम सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक दयानंद सिंह, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक खेमराज सिंह, अभिषेक पांडेय, कल्याण सिंह, वेद प्रकाश, रामकेश, शाहनाज बानो, रामकुमारी, हेमलता, रितु श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद रहे।

महानगर की तर्ज पर चमकेगा रेलवे ओवरब्रिज



टी0आई0एल0 संवाददाता बांदा। शहर का नया रेलवे ओवरब्रिज दिल्ली, लखनऊ जैसे महानगरों के ओवरब्रिज की तरह नजर आएगा। इसके चारों ओर आकर्षक जालियां, पेंटिंग, एलईडी व फसाड लाइटें और स्वागत बोर्ड, सूचना पट्टिकाएं लगाई जाएंगी। नगर पालिका परिषद ने पुल के लिए 1.39 करोड़ के टेंडर जारी कर दिए हैं।

बांदा के नए रेलवे ओवरब्रिज की शुरुआत सिविल लाइन से होगी। यह कचहरी चौराहे के ऊपर से होते हुए रेलवे लाइन पार करके शहर के दक्षिणी हिस्से में जाकर समाप्त होगा। मौजूदा समय में पुल पर दोनों ओर स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं। पुल के सामान्य सुंदरीकरण के लिए 99.50 लाख रुपये और सीएनसी के जरिए सुंदरीकरण के लिए 39.62 लाख रुपये का टेंडर जारी हुआ है।

ईओ बांदा श्रीचंद ने बताया कि सामान्य सुंदरीकरण में सबसे पहले पुल की पेंटिंग कराई जाएगी। एलईडी और फसाड

लाइट लगाई जाएगी। यह काम पूरे पुल पर होगा। गमले और रेडियम पट्टियां भी लगाई जा सकती हैं, जिसकी चमक रात में भी रहेगी।

होटल में खाना परोस रहा वेटर बना सिपाही

टी0आई0एल0 संवाददाता उरई। जिले में होटल में लोगों को खाना परोसते-परोसते अचानक ऑनलाइन रिजल्ट देखा, तो किस्मत नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत रंग लाई थी। जिस हाथ से पवन राजावत अब तक होटल में लोगों को खाना परोस रहे थे। उसी पवन का उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर चयन हो गया। खास बात इसमें यह रही की सिलेक्शन के बाद भी उसने पूरे दिन और रात तक ड्यूटी की। इसके बाद हिसाब किया, दूसरे दिन नौकरी छोड़ी।

पवन राजावत मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के रहने वाले हैं। उन्होंने मैनपुरी से दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद स्नातक की शिक्षा

टी0आई0एल0 संवाददाता बांदा। नवरात्र पर चित्रकूट दर्शन के लिए निकले दिव्यांग बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को सामने से आई कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों महोबा जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने मोबाइल नंबर से दोनों के परिजन को सूचना दी है। हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। एयर बैग खुल जाने से चालक की जान बच गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया है।

महोबा जिले के कबरई थाना क्षेत्र के राजीव नगर निवासी रामबाबू ने बताया कि उनका चचेरा भाई रामप्रकाश (35) अपने पारिवारिक चचेरे भाई गांधीनगर निवासी दिव्यांग बाबू (40) के साथ बाबू की दिव्यांग बाइक से



नवरात्र में चित्रकूट दर्शन करने के लिए देर शाम करीब सात बजे निकले थे। बांदा के गिरवां थाना क्षेत्र के खुरहंड गांव के पास सामने से आई कार ने दोनों को टक्कर मार दी।

हादसे को अंजाम देकर कार सवार मौके से भाग निकले। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। वहां देर रात डॉक्टरों

ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उनके पास से मिले मोबाइल से उनके परिजन को सूचना दी। सूचना पर परिजन भी मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। गिरवां थाना इंसपेक्टर सुरेश सैनी ने बताया कि हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त हुई है। बाइक सवार दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। कार चालक भाग निकलने में सफल रहे हैं, उनकी तलाश की जा रही है।

नीलामी चबूतरों पर व्यापारियों का कब्जा, आदेश बेअसर

टी0आई0एल0 संवाददाता हमीरपुर। नवीन गल्ला मंडी में व्यापारियों के कब्जे के चलते ज्वार-बाजरा खरीद केंद्र 15 दिन बाद भी संचालित नहीं हो सके हैं। एसडीएम सदर मंडी प्रशासक के तीन दिन में नीलामी चबूतरे खाली कराने के निर्देश भी बेअसर साबित हो रहे हैं। व्यापारी चबूतरों पर माल डंप करने के साथ खरीद-फरोख्त करते नजर आए।

शासन के निर्देश पर मंडी में ज्वार खरीद के दो और बाजरा खरीद का एक केंद्र एक अक्तूबर से खोला गया है। इन केंद्रों के



लिए निर्धारित नीलामी चबूतरों पर व्यापारियों का माल रखा होने से किसानों की उपज खरीदने के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। बीते 10 अक्तूबर को एसडीएम सदर एवं मंडी प्रशासक अभिषेक

कुमार ने मंडी का निरीक्षण कर केंद्र प्रभारियों की समस्या सुनी थी। उन्होंने मंडी निरीक्षक सुनील कुमार ओझा को फटकार लगाते हुए तीन दिन में चबूतरे खाली कराने के निर्देश दिए थे।

विपणन शाखा के केंद्र प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। चबूतरे खाली कराकर खरीद केंद्रों को जगह उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी मंडी सचिव की है।

बस आगे बढ़ाने को लेकर

भिड़े रोडवेज चालक

टी0आई0एल0 संवाददाता हमीरपुर। बस स्टैंड पर बुधवार को बस आगे बढ़ाने को लेकर बांदा और उरई डिपो के रोडवेज कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। बांदा डिपो के चालक अमित कुमार त्रिपाठी ने उरई डिपो के चालक पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यूपी 112 को कॉल कर बुलाया। बांदा डिपो की बस संख्या 5517 के चालक अमित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वह बस में खाना खा रहे थे। इसी दौरान उरई डिपो की बस संख्या यूपी 78 एलएल 5912 को आगे बढ़ाने को लेकर कहासुनी हो गई।



हासिल की। वह आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कानपुर में रह रहे थे। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा में शामिल होने के बाद वह अपने अगले परिणाम का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच, जब परीक्षा से

जुड़ी आगे की प्रक्रिया पूरी हो गई और फाइनल रिजल्ट का इंतजार था।

उन्होंने खाली बैठने के बजाय काम करने का फैसला किया। पिछले करीब दो महीने से पवन उरई के सूर्य होटल में वेटर के तौर पर काम कर रहे थे। उनका रोज का काम था, होटल में आने वाले लोगों को खाना परोसना, ग्राहकों की जरूरतों का ध्यान रखना और अपनी ड्यूटी पूरी करना। उन्होंने बताया कि बुधवार को भी वह सभी खाना खिला रहे थे। रिजल्ट आने के एक घंटे बाद उन्होंने साइट खोली और देखा कि उनका भी नाम उसने आ गया। उन्हें पहले यकीन नहीं हुआ।



INDIA'S LEADING ADVERTISING AGENCY

Call us: 0522-4010 844 | 7985907267 | 8318924761

Website: dolbyinfotainment.com | Email: dolbyinfotainment@gmail.com

सिलाई का हुनर सीखकर आत्मनिर्भर बनेंगी 100 महिलाएं



ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से एनआरएलएम के माध्यम से सिलाई प्रशिक्षण की योजना तैयार की गई है। प्रशिक्षण के

टी0आई0एल0 संवाददाता फतेहपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की 100 महिलाएं सिलाई का हुनर सीखकर आत्मनिर्भर बनेंगी। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जिले के सभी 13 ब्लॉकों से 50 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं का चयन किया जाएगा। चयनित महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

दौरान महिलाओं को कपड़ों की सिलाई और इससे जुड़ी सेवाओं में दक्ष बनाया जाएगा। इसका मकसद उन्हें हुनरमंद बनाकर आय अर्जित करने के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद महिलाएं अपने गांव या आसपास के क्षेत्रों में सिलाई का काम शुरू कर सकेंगी। इससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही वे आर्थिक रूप से मजबूत होकर परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग कर सकेंगी।

बाजार में सजने लगे मिट्टी के करवे कुम्हारों को मिल चुके दो लाख ऑर्डर



टी0आई0एल0 संवाददाता पीलीभीत। करवाचौथ पर्व करीब आते ही शहर से लेकर देहात तक मिट्टी के करवे की मांग बढ़ने लगी है। कुम्हारों ने करवे तैयार करने का काम तेज कर दिया है। शहर के कुम्हारों को अब तक करीब दो लाख करवे बनाने के ऑर्डर मिल चुके हैं। मांग को समय पर पूरा करने के लिए कुम्हार दिन-रात मेहनत

कर रहे हैं। करवाचौथ पर शाम को विधि-विधान से पूजा करने के बाद करवे से चंद्रमा को अर्घ्य देने की परंपरा है। इसी वजह से पर्व पर मिट्टी के करवे की विशेष मांग काफी रहती है। कुम्हारों के सामने बड़ी संख्या में करवे तैयार करने के साथ उनकी गुणवत्ता और सजावट का ध्यान रखने की चुनौती भी है।

मिट्टी से करवे तैयार करने उन्हें सुखाने और फिर रंगाई करने में काफी मेहनत लगती है। इसके चलते परिवार के अन्य सदस्य भी मिलकर इस काम को पूरा करने में जुटे हैं। शहर के ज्ञानेंद्र कुमार प्रजापति ने बताया कि बाजार में सभी व्यापारियों को लगभग दो लाख करवा देने के ऑर्डर मिल चुके हैं।

अंतिम संस्कार न करने पर अड़े परिजन, आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग

टी0आई0एल0 संवाददाता

प्रयागराज। सलोरी में भूमि विवाद को लेकर सतीश श्रीवास्तव की हत्या के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन शव को घर लेकर पहुंचे तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर अड़ गए। एक करोड़ रुपये का मुआवजा, दोनों बच्चियों की सरकारी नौकरी, आजीवन सुरक्षा और आरोपी का घर बुलडोजर से गिराने की मांग रखी गई है। सतीश कुमार श्रीवास्तव की पत्नी वर्षा श्रीवास्तव ने कहा कि जब तक इन मांगों को नहीं माना जाता तब तक वह शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगी। एसीपी कर्नलगंज विवेक यादव, एसीपी झूंसी अरुण पाराशर और एसडीएम अकिंत वर्मा पुलिस बल के साथ मौजूद हैं।

बता दें कि सलोरी में नजूल की जमीन पर कब्जे के विवाद में ईश्वर डिग्री कॉलेज के लैब अटेंडेंट व अधिवक्ता सतीश कुमार



श्रीवास्तव (52) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि पड़ोसी अपर शासकीय अधिवक्ता देवेन्द्र नाथ मिश्रा बेटे और 20-25 लोगों के साथ विवादित मकान और प्लॉट की बाउंड्री तोड़ने पहुंचे थे। विरोध करने पर सतीश की पिटाई की गई फिर लाइसेंस रिवॉल्वर से उनके पेट में गोली मार दी गई थी।

उधर, घटना में देवेन्द्र भी गंभीर रूप से जख्मी हैं। उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया

है। घटना में फुटेज सामने आया है जिसमें मास्क और गमछे से चेहरा ढक कर कुछ लोग जाते दिख रहे हैं। पुलिस तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सलोरी निवासी सतीश घर से कुछ दूर स्थित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में लैब अटेंडेंट थे। उनकी पत्नी वर्षा ईश्वर शरण पब्लिक स्कूल में शिक्षिका हैं जबकि बेटी वैष्णवी निजी कॉलेज में पढ़ाती हैं। परिवार में उनकी दूसरी बेटी वैशाली भी है।

मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग

टी0आई0एल0 संवाददाता

रायबरेली। शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए समाजवादी पार्टी ने मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग की है। इस संबंध में पार्टी की ओर से मुख्य निर्वाचन अधिकारी को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपते हुए सपा जिलाध्यक्ष इं. वीरेंद्र यादव ने कहा कि मतदान केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जानी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि मतदान को प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। सपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि स्नातक क्षेत्र में 41 और शिक्षक क्षेत्र में 20 मतदान केंद्रों पर मतदान होना है। इनमें स्नातक



क्षेत्र के 16 मतदान केंद्र संवेदनशील एवं अति संवेदनशील श्रेणी में हैं। उन्होंने आशंका जताई कि मतदान को प्रभावित करने की कोशिश से चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से सभी मतदान केंद्रों पर स्थानीय पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों की तैनाती और उपद्रवियों को पाबंद करने की मांग की गई। इं. वीरेंद्र यादव ने कहा कि स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्र के मतदाताओं को निर्भीक होकर मतदान

करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि 23 अक्तूबर को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान संपन्न हो सके। हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी ने भी निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की। इस मौके पर डॉ. शशिकांत शर्मा, अरशद खान, अरुण प्रताप, मो. मुशीर, राजेश मौर्य, आफताब अहमद और इजहार खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

2.5 कुंतल अवैध पटाखों का बड़ा जखीरा बरामद

टी0आई0एल0 संवाददाता

कानपुर। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अवैध पटाखों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कानपुर की चकरी पुलिस और सर्विलांस पूर्वी जोन टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने लालबंगला क्षेत्र में राजेश दाल मिल के पीछे बने एक गोदाम में छपा मारकर 2.5 कुंतल अवैध आतिशबाजी बरामद की है। थाना चकरी पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जाजमऊ चौराहे चौकी लालबंगला के पास स्थित राजेश दाल मिल के गोदाम के पीछे बेल्ड निर्माण गोदाम के तीसरे तल पर भारी मात्रा में अवैध पटाखे

डंप किए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी। जांच के दौरान गोदाम के अंदर 10 बड़े गत्ते के कार्टनों में छिपाकर रखे गए प्रतिबंधित और भारी मात्रा में विस्फोटक पटाखे बरामद हुए। मौके पर मौजूद गोदाम के प्रोडक्शन मैनेजर से जब लाइसेंस मांगा गया, तो वह कोई वैध कागजात नहीं दिखा सका। पुलिस ने मौके से गोदाम के प्रोडक्शन मैनेजर वसीम निवासी परेड को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में वसीम ने खुलासा किया कि यह सारा माल उसके रिश्तेदार सोनू उर्फ फैज निवासी मूलगंज ने आगामी दीपावली पर ऊंचे दामों पर बेचने के लिए रखवाया था।

Call:0522-6537101, 9839919728

e-mail:info@tvindialive.com

tvindialive.til@gmail.com

web:www.tvindialive.in

www.tvindialive.com

www.tilexpress.in



TILE x p r e s s

WEEKLY HINDI NEWSPAPER

Contact for: News Bureau,
News Reporter & Marketing Agency

Off: Sector C-1, C-25, LDA Colony, Kanpur Road, Lucknow. 226012 (U.P.)

सम्पादकीय

राष्ट्रीय हितों के आड़ेन आए राजनीति

पिछले दिनों जब केरलम के विज्ञिजम बंदरगाह से निर्यात-आयात शुरू हुआ तो मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने इसे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह बंदरगाह दुनिया की ओर खुलने वाला द्वार है। खास बात यह है कि इस बंदरगाह का निर्माण अदाणी समूह ने किया है। यह भारत का गहरे समुद्र में बना ऐसा बंदरगाह है, जिसकी देश को वर्षों से रणनीतिक आवश्यकता थी। 1991 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के. करुणाकरन ने विज्ञिजम में एक डीप-सी बंदरगाह की परिकल्पना की थी। हालांकि कुछ रिकार्ड कहते हैं कि 1940 में त्रावणकोर के दीवान सीपी रामास्वामी अय्यर ने यह विचार सुझाया था और इसके आधार पर सर्वेक्षण भी हुआ था। परिकल्पना 1940 की मानें या 1991 की, इतना तो स्पष्ट है कि लंबे समय तक यह परियोजना कागजों में ही रही। जब इसके आकार लेने की बात आई तो प्रश्न उठा कि विज्ञिजम का डीप-सी पोर्ट बनाएगा कौन, क्योंकि 1995, 2004, 2008 और 2010 में चार प्रयासों के बाद भी कोई कंपनी इसे बनाने का ठेका नहीं ले सकी। 2014 में इसे नए सिरे से तैयार करने की योजना बनाई गई और 2015 में अदाणी समूह के साथ इसे बनाने का समझौता हुआ।

भारत में परियोजनाओं को धरातल पर लाने में अक्सर देरी होती ही है, लेकिन इस परियोजना में हुई देरी से देश को कितना नुकसान हुआ, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। भारत अभी तक अपने कंटेनर ट्रैफिक का 75 प्रतिशत कोलंबो, सिंगापुर और दुबई के बंदरगाहों के जरिये लाता और भेजता है। अब विज्ञिजम बंदरगाह से निर्यात-आयात शुरू होने से भारत के जहाजों की विदेशी बंदरगाहों के उपयोग पर निर्भरता कम होगी। गहरे समुद्र में बने विज्ञिजम बंदरगाह की गहराई स्वाभाविक तौर पर बिना खोदाई किए 20 मीटर की है। इसे आसानी से ऐसे समझा जा सकता है कि जहां विज्ञिजम बंदरगाह है, वहां समुद्र में लगभग 9-10 मंजिला इमारत पानी के भीतर समा जाएगी। प्राकृतिक रूप से इतनी गहराई पर होने से विज्ञिजम बंदरगाह में नियमित रखरखाव की लागत भी कम रहेगी। गहराई में होने के कारण विज्ञिजम बंदरगाह बहुत बड़े जहाजों को भी समायोजित-संचालित करने की क्षमता रखता है।

विश्व की बदलती रणनीतिक परिस्थितियों में आपूर्ति शृंखला बनाए रखने की चुनौती भारत जैसे विशाल देश के सामने बहुत बड़ी है। विश्व के सामने विज्ञिजम बंदरगाह भारत के मजबूत होते अंतरराष्ट्रीय समुद्री बुनियादी ढांचे का बड़ा प्रमाण है। विश्व के सर्वाधिक व्यस्ततम पूर्व-पश्चिम समुद्री मार्ग के निकट होने से विज्ञिजम बंदरगाह के जरिये भारत वैश्विक व्यापार के केंद्र में आ सकता है। इस बंदरगाह से निर्यात-आयात होने का सीधा लाभ देश के छोटे और मझोले उद्योगों को होगा। छोटे-मझोले उद्योगों के वैश्विक व्यापार में बने रहने के लिए सर्वाधिक आवश्यक होता है कि कम लागत में समय से उनका सामान पहुंचाया और मंगाया जा सके। विज्ञिजम बंदरगाह छोटे-मझोले उद्योगों के लिए यह करने जा रहा है। भारत के समुद्री उत्पादों, इंजीनियरिंग उत्पादों, काजू, मसाले, कपड़े को वैश्विक बाजार में पहुंचने में आसानी होगी। निर्यात के साथ हमारे देश की आयातक कंपनियों को भी इससे लाभ होगा। अंतरराष्ट्रीय कारोबार के साथ ही केरल के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक के उद्योगों को भी अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग से सीधे जुड़ने का लाभ होगा। बंदरगाह पर बड़े मालवाहक जहाजों की आवाजाही से इससे जुड़े ढेरों व्यापार बंदरगाह के आसपास विकसित होंगे।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में यह बंदरगाह बड़ी भूमिका निभाएगा, लेकिन यह याद रहे कि भारत की स्वतंत्रता के पूर्व जिस गहरे समुद्री बंदरगाह की परिकल्पना की गई थी और उसका सर्वेक्षण भी हो गया था, उस पर काम 2015 में जाकर शुरू हो पाया और 2024 में जाकर पहला चरण पूरा हो पाया और उस दौरान भी राहुल गांधी अदाणी पर हमला जारी रखे हुए थे। जबकि जिस दौरान केरलम में यह बंदरगाह बन रहा था, तब राज्य में वामपंथी और कांग्रेसी सरकारें ही रहीं। विज्ञिजम बंदरगाह से निर्यात-आयात शुरू होते समय कांग्रेस की सरकार है और केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन का यह कहना कि अब सबसे बड़ी चुनौती इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाकर भारत और केरलम से दुनिया को जोड़ने और अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने की है, बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है और एक सबक भी दे जाता है कि राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं में देरी और उस पर दलगत राजनीति से देश का नुकसान होता है और सभी दलों को इससे बचना चाहिए। भारत विश्व समीकरणों में जिस तरह से अपनी स्थिति बेहतर कर रहा है, उसमें विज्ञिजम बंदरगाह जैसे बुनियादी ढांचे का विशेष महत्व हो जाता है। कई बार हम यह चर्चा विशेषज्ञों के जरिये सुनते हैं कि 1980 तक भारत और चीन लगभग बराबर ही थे, लेकिन हम ऐसी रणनीतिक परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में पीछे रह गए।

योगी की रणनीति से सपा चित

अशोक त्रिपाठी

राजनीति में चुनावी रणनीति भी बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि जनसेवा को अमली जामा सत्ता में रहकर ही पहनाया जा सकता है। इसलिए उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जनसेवा को अनवरत रखने के लिए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में अगले वर्ष अर्थात् 2027 में विधानसभा के चुनाव होंगे। चुनाव की तारीखें अभी नहीं घोषित हुई हैं लेकिन सभी प्रमुख दल चुनाव की तैयारियां कर रहे हैं। भाजपा के सामने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) की मुख्य चुनौती हो सकती है। इसलिए योगी आदित्यनाथ सपा को कमजोर करना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी से बगावत करने वाले तीन विधायक गत 14 अक्टूबर को भाजपा में शामिल हो गये और संभवतः उन्हें विधानसभा चुनाव भी लड़वाया जाएगा। इन तीन विधायकों में अयोध्या की गोसाईगंज सीट से विधायक अभय सिंह, जालौन जिले की कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी और अमेठी की गौरीगंज विधानसभा सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह शामिल हैं। भाजपा में इनके शामिल होने से यागी का पक्ष मजबूत होगा और अखिलेश यादव की ताकत कम हुई है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ जन कल्याण के कार्यक्रम भी चला रहे हैं। शिक्षकों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी गयी है। महिलाओं के लिए भी योगी सरकार ने कई कार्यक्रम चला रखे हैं। इनमें ड्रोन दीदी पहल विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के तीन बागी विधायक भाजपा में शामिल हो गए। अमेठी में आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पार्टी की महासचिव स्मृति ईरानी ने सपा के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह और विनोद चतुर्वेदी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। तीनों ने 2 साल पहले अखिलेश यादव से बगावत कर दी थी, जिसके बाद से वह सपा से दूर हो गए थे और पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं ले रहे

थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा अब तीनों को उनकी सीटों से आगामी यूपी विधानसभा चुनाव में टिकट दे सकती है।

राज्यसभा चुनाव में तीनों ने पार्टी लाइन से हटते हुए भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट किया था। जिसके बाद से ही उनके भाजपा में जाने की चर्चा शुरू हो गई थी। सन् 2025 में समाजवादी पार्टी ने इन्हें निष्कासित कर दिया था जिसके बाद उनका भाजपा में जाने का रास्ता आसान हो गया था। जालौन जिले की कालपी सीट से विधायक विनोद चतुर्वेदी ने अखिलेश यादव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा जब पीएम मोदी ने भगवान राम के मंदिर का उद्घाटन किया तो सदन में हमारे अध्यक्ष ने कहा था कि दर्शन के लिए जो भी चलना चाहे, वो चले लेकिन हमारे हाईकमान ने कहा कि नहीं कर सकते हैं। ये आस्था पर चोट थी। दूसरा सीएम योगी आदित्यनाथ ने जैसा विकास किया है, वैसा विकास किसी ने नहीं किया। जनता को विकास चाहिए और हम उस विकास के लिए ही चुने जाते हैं। जिस सरकार ने इतना विकास किया है, हम उसके साथ हैं। वहीं विधायक अभय सिंह ने कहा जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का विरोध करें, जो राष्ट्र का विरोध करेंगे, हम लोग उसके विरोधी हो जाएंगे। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के बारे में जन-जन तक हिंदी और अवधी में पहुंचाने वाले, तुलसीदास ने राम चरित मानस को लिखा। उस रामचरित मानस को जलाया जाए, फाड़ा जाए। उसके बाद इस घटना पर कोई टिप्पणी न की जाए। उसके बाद दर्शन से रोका जाए। ये सब चीजें ऐसी हैं जो उचित नहीं हैं।

अमेठी की गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह लंबे समय से समाजवादी पार्टी के साथ थे। वह 2012, 2017 और 2022 से लगातार तीन बार से सपा के टिकट पर गौरीगंज सीट से विधायक बन रहे थे लेकिन 2024 में उन्होंने सपा से बगावत



कर दी और राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान किया था। वहीं अयोध्या की गोसाईगंज सीट से विधायक अभय सिंह भी समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता माने जाते थे। उन्होंने 2012 में पहली बार गोसाईगंज सीट से जीत हासिल की थी। लेकिन 2017 के चुनाव में उन्हें हार मिली थी। उन्होंने 2022 में दोबारा यह सीट जीत ली थी। अब वह भाजपा में शामिल हो गए हैं। जालौन जिले की कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी का राजनीतिक सफर कई दलों में रहा है। वह कांग्रेस से 2007 में पहली बार विधायक बने थे। 2021 में कांग्रेस छोड़कर सपा में शामिल हो गए और 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के टिकट पर कालपी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे, अब वह भाजपा में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की चतुर्थी पर मां कूष्मांडा की आराधना के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर महिलाओं को विकास की लाभार्थी के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों की निर्माता बताया। मुख्यमंत्री ने मां कूष्मांडा को सृजन, ऊर्जा और समृद्धि का सनातन प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जहां महिलाओं को शक्ति और अवसर मिलते हैं, वहां अभाव परिश्रम में, परिश्रम आत्मनिर्भरता में और आत्मनिर्भरता समृद्धि में बदल सकती है। योगी ने ड्रोन दीदी पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से महिलाएं खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में भूमिका निभा रही हैं।



प्रदेश में अब ड्राइविंग टेस्ट यूपी में हाईवे-एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा को लेकर योगी सरकार सख्त के लिए भी देना होगा शुल्क



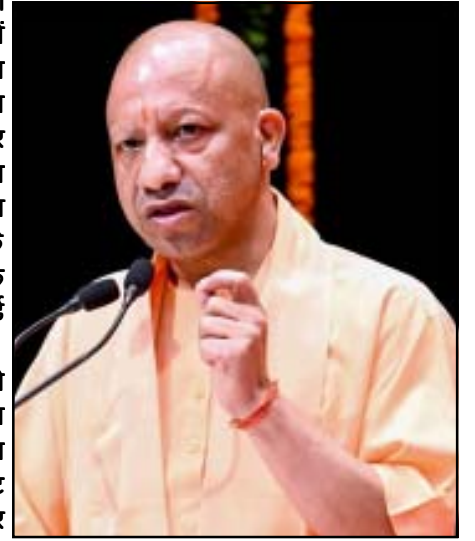
टी0आई0एल0 संवाददाता लखनऊ। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने के लिए आवेदकों की जेब पर जल्द ही अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। अब ड्राइविंग टेस्ट देने के लिए ट्रैक इस्तेमाल करने का शुल्क भी देना होगा। इसके तहत दोपहिया वाहनों के लिए 50 रुपये, हल्के मोटर वाहनों के लिए 100 रुपये और भारी मोटर वाहनों के लिए 150 रुपये यूजर चार्ज प्रस्तावित है। शासन स्तर पर इसे लागू करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है।

लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया ऑनलाइन है, इसलिए आवेदकों को इसके लिए आरटीओ कार्यालय नहीं जाना पड़ता। लर्नर लाइसेंस मिलने के बाद स्थायी डीएल के लिए आरटीओ या एआरटीओ कार्यालय में बायोमीट्रिक कराकर ड्राइविंग टेस्ट देना होता है। टेस्ट में सफल होने पर लाइसेंस डाक से आवेदक के घर भेजा जाता है। परिवहन विभाग ने बेहतर चालक तैयार करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र (एडीटीसी) स्थापित किए हैं। ये केंद्र निजी संचालकों के हाथों में हैं। लखनऊ में काकोरी के उदितखेड़ा में एक एडीटीसी संचालित है। प्रदेश के 20 जिलों में कुल 32 केंद्र काम कर रहे हैं।

टी0आई0एल0 संवाददाता लखनऊ। शीतलहर और घने कोहरे के दौरान सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आसपास पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और बचाव वाहन तैनात रखने के निर्देश दिए गए हैं। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को सड़क सुरक्षा के सभी इंतजाम समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने को कहा है। राहत आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि कोहरे के दौरान कम दृश्यता से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर लगे परावर्तक संकेतकों, दिशासूचक बोर्ड और कैट्स आई की नियमित जांच की जाए। सड़क की किनारों और बीच में बनी सफेद पट्टियों के मिटने, उखड़ने या धूल से ढकने पर उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए, ताकि वाहन चालकों को सड़क की दिशा और

सीमा स्पष्ट दिखाई दे। प्रमुख चौराहों, तिराहों, मोड़ों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर यातायात संकेतक, ठहराव रेखा और पैदल पारपथ की स्थिति भी ठीक रखने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत के अनुसार चेतावनी संकेतक और गति सीमा संबंधी बोर्ड लगाए जाएंगे।

सड़क हादसों की रोकथाम के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले अनफिट वाहनों और जुगाड़ से तैयार असुरक्षित वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाई जाएगी। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस समन्वय से जांच और कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही वाहन चालकों को फाग लाइट और परावर्तक टेप के इस्तेमाल, नियंत्रित गति से वाहन चलाने तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक किया जाएगा।



राहत आयुक्त ने अधिकारियों को सड़क सुरक्षा व्यवस्था की नियमित निगरानी करने और सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की है कि घने कोहरे में विशेष सावधानी बरतें, दृश्यता के अनुरूप गति रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

Lucknow's the most popular social networking news, views & entertainment blog

www.facebook.com/tillucknowexpress

By:TVINDIALIVE.COM



इलेक्शन कमीशन पर बरसे अखिलेश यादव



टी0आई0एल0 संवाददाता लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्टर कलेक्टिव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने आयोग के आंकड़ों में कथित गड़बड़ियों पर सवाल किया। उन्होंने पूछा कि जब आम लोग आयोग की गलतियां पकड़ रहे हैं, तो अत्याधुनिक तकनीक और पूरा तंत्र होने के बावजूद आयोग खुद इन विसंगतियों की पहचान क्यों नहीं कर पा रहा है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'इज्जत का सवाल बस इतना सा है कि जब कुछ आम लोग चुनाव आयोग की गलती पकड़ ले रहे हैं तो जिसके पास पूरा विभाग और अत्याधुनिक एआई टेक्नोलॉजी है, वो चुनाव आयोग अपनी गलती क्यों नहीं पकड़ पा रहा है? चुनाव आयोग से कोई भी आंकड़ा सही-गलत की तराजू पर तोले बिना क्यों और कैसे प्रकाशित कर दिया जा रहा है? चुनाव आयोग जनता के मामले में तो लॉजिकल

डिस्क्रिपेंसी से हर त्रुटि पकड़ ले रहा है लेकिन अपने आंकड़ों की तार्किक विसंगति क्यों नहीं पकड़ पा रहा है या फिर पकड़ना नहीं चाह रहा है? सवाल तो बनता है ना? इससे पहले सपा प्रमुख ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया के औचित्य पर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जब हारने लगती है तो बेईमानी करने लगती है और इसी वजह से यह प्रक्रिया कराई जा रही है। सपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में सवाल किया कि जब मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हो चुका है, तो एसएसआर कराने का क्या औचित्य है?

महिला कारीगरों के हैंडीक्राफ्ट की रही मांग



टी0आई0एल0 संवाददाता लखनऊ। निराला नगर स्थित एक होटल में चल रही दो दिवसीय सैफायर लाइफस्टाइल एंड हैंडीक्राफ्ट्स प्रदर्शनी का समापन हुआ। आयोजकों के श्रीवास्तव

भयमुक्त समाज बनाना लक्ष्य, मां कालरात्रि का स्वरूप अधर्म और अत्याचार के अंत का प्रतीक : सीएम योगी

टी0आई0एल0 संवाददाता लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां कालरात्रि की आराधना के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए अधर्म, अत्याचार और आतंक के अंत का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अन्याय का अंत ही न्याय, शांति और भयमुक्त समाज की स्थापना का आधार है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में सुधार का दावा करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा उत्तर प्रदेश बनाना है, जहां हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे और महिलाएं बिना किसी डर के आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में माफिया, दंगाइयों और अपराधियों का आतंक था। उनके मुताबिक, भय और अराजकता के माहौल का असर आम लोगों के साथ-साथ बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और आगे बढ़ने के अवसरों पर भी पड़ता था।

उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, डबल इंजन की सरकार ने कानून के राज को मजबूत करने और प्रदेश में भयमुक्त वातावरण तैयार करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति, महिला बीट पुलिसिंग, 1090 हेल्पलाइन और सेफ सिटी परियोजना जैसी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य महिलाओं को घर से लेकर सड़क और कार्यस्थल तक सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है। योगी आदित्यनाथ ने पुलिस रिस्पोन्स टाइम में सुधार का दावा करते हुए कहा कि यह पहले 65 मिनट था, जो अब घटकर करीब पांच मिनट रह गया है। उन्होंने इसे महिला सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा का भरोसा बढ़ने से महिलाएं अब नाइट शिफ्ट में भी काम कर रही हैं और रोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में बढ़ोतरी का दावा करते हुए कहा कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब केवल परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। योगी के मुताबिक, कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय में हुई करीब तीन गुनी वृद्धि में भी महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।



मनोज कुमार अग्रवाल

वर्तमान समय में भारत वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर कई बड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए मजबूती से आगे बढ़ रहा है। आज का वैश्विक माहौल भू-राजनीतिक तनावों जैसे युद्ध और व्यापारिक प्रतिबंध, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक अस्थिरता के कारण अत्यधिक संघर्षपूर्ण है। इस कठिन परिस्थिति में भी भारत अपनी आंतरिक क्षमताओं और कूटनीति के बल पर इन चुनौतियों से जूझ रहा है। दुनिया भर में आर्थिक मंदी और महंगाई के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। घरेलू स्तर पर बढ़ती खाद्य कीमतें, महंगाई और युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा करना एक बड़ी चुनौती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के जरिए घरेलू विनिर्माण और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा दे रही है। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लंबे समय से जारी गतिरोध और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार की चुनौतियां भारत के लिए बड़ी सुरक्षा चिंताएं हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट के कारण वैश्विक स्तर पर गुटबाजी बढ़ी है। भारत ने किसी एक पक्ष में झुके बिना,

चुनौती भरे माहौल में सीना ताने खड़ा है भारत

राष्ट्रहित प्रथम की नीति अपनाई है। भारत एक तरफ अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, तो दूसरी तरफ रूस के साथ अपने पारंपरिक रिश्तों और व्यापार को भी बनाए हुए है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने दुनिया के सामने फिर यह कठोर सच्चाई रख दी है कि युद्ध सीमाओं के भीतर नहीं रहते, बल्कि उनका असर दूरस्थ देशों की अर्थव्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और रोजमर्रा के जीवन तक पहुंचता है। तेल की आपूर्ति में बाधा, समुद्री व्यापार पर खतरा और बढ़ती अनिश्चितता मिलकर ऐसा संकट पैदा कर रहे हैं, जिसकी कीमत युद्ध में शामिल नहीं होने वाले देशों को भी चुकानी पड़ रही है। इसलिए मौजूदा तनाव को केवल सैन्य शक्ति या कूटनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिये से देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह वैश्विक विकास और मानवीय सुरक्षा की साझा चुनौती है। इसलिए इस क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियां और समुद्री मार्गों पर असुरक्षा का असर भारतीय अर्थव्यवस्था तक पहुंच सकता है। ऐसे में भारत की भूमिका केवल घटनाओं पर चिंता व्यक्त करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उसे शांति के पक्ष में सक्रिय कूटनीति के साथ अपने नागरिकों और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास निकाय की रिपोर्ट ने इस संकट के आर्थिक परिणामों को स्पष्ट किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि पिछले वर्ष के 2.9 प्रतिशत से घटकर 2026 में 2.6 प्रतिशत रह सकती है। साथ ही भारत की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ये आंकड़े

भारत की संभावनाओं और दुनिया की चुनौतियों को एक साथ सामने रखते हैं। लेकिन अपेक्षाकृत बेहतर वृद्धि का अनुमान बाहरी संकट से सुरक्षा की गारंटी नहीं है। वैश्विक मांग कमजोर होने और ऊर्जा महंगी होने का दबाव भारतीय उद्योगों तथा परिवारों तक पहुंच सकता है। भारत के सामने सबसे तात्कालिक चुनौती ऊर्जा आपूर्ति की विश्वसनीयता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने पर तेल और गैस की उपलब्धता, परिवहन तथा कीमतों को लेकर अनिश्चितता पैदा होती है। महंगा ईंधन केवल वाहन चलाने का खर्च नहीं बढ़ाता उसका असर खेती, कारखानों, माल ढुलाई और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप आम परिवारों की क्रयशक्ति घटती है और छोटे कारोबारों का लाभ सिकुड़ता है। ऐसे में ऊर्जा संकट को केवल आयात बिल का विषय समझना भूल होगी। यह घरेलू आर्थिक स्थिरता धरता और सामाजिक सुरक्षा से भी जुड़ा है।

समुद्री सुरक्षा की सफलता का माप निर्बाध आपूर्ति और सुरक्षित नाविक होने चाहिए। नाविकों की सुरक्षा इस पूरे विमर्श के केंद्र में रहनी चाहिए। वैश्विक व्यापार में योगदान देने वाले ये कर्मचारी युद्ध के निर्णय नहीं लेते, लेकिन उसका जोखिम उठाते हैं। संकटग्रस्त जहाजों पर फंसे भारतीयों की पहचान, उनसे नियमित संपर्क और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी की व्यवस्था अनिवार्य है। सरकार, जहाज संचालकों और भर्ती करने वाली संस्थाओं के बीच स्पष्ट जिम्मेदारियां तय होनी चाहिए। परिवारों को विश्वसनीय जानकारी मिलना भी

उतना ही जरूरी है। निकासी के साथ बकाया वेतन, चिकित्सा सहायता और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर ध्यान दिए बिना सुरक्षा की प्रक्रिया अधूरी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून संघर्षरत पक्षों को नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर करने तथा नागरिकों को जानबूझकर निशाना नहीं बनाने का दायित्व देता है। किसी विशेष हमले की जिम्मेदारी निष्पक्ष जांच और प्रमाण के आधार पर तय होनी चाहिए। भारत को अपने नागरिकों को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर पारदर्शी जांच और जवाबदेही की मांग उठानी चाहिए। यह मांग सभी पक्षों के लिए समान होनी चाहिए। नागरिक सुरक्षा पर चयनात्मक प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय नियमों को कमजोर करती है।

भारत की विश्वसनीयता तब बढ़ेगी, जब उसकी स्थिति सिद्धांत, तथ्य और मानवीय संवेदना पर आधारित होगी। खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों की स्थिति भी निरंतर निगरानी मांगती है। संघर्ष लंबा खिंचने पर रोजगार, आवागमन और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। दूतावासों को सहायता व्यवस्था सुलभ रखनी चाहिए और संकट बढ़ने की स्थिति के लिए स्पष्ट तैयारी करनी चाहिए। लौटने वाले कर्मचारियों के लिए दस्तावेज, यात्रा और रोजगार संबंधी सहायता पर भी विचार आवश्यक है। विदेश में भारतीयों की कमाई का महत्व अपनी जगह है, लेकिन नीति की पहली प्राथमिकता उनका जीवन, सम्मान और सुरक्षा होनी चाहिए।

भारत की कूटनीतिक चुनौती विभिन्न पक्षों के साथ संवाद बनाए रखते हुए स्पष्ट राष्ट्रीय हितों पर

टिके रहने की है। बातचीत का उद्देश्य तनाव कम करना, नागरिकों की रक्षा और व्यापारिक आवाजाही सुरक्षित करना होना चाहिए। सभी पक्षों तक पहुंच उपयोगी है, बशर्ते उससे ठोस परिणाम निकलें। भारत को अपने प्रभाव का इस्तेमाल संयम, संघर्ष विराम और मानवीय सहायता के पक्ष में करना चाहिए। किसी पक्ष की हर कार्रवाई का समर्थन करने की बाध्यता स्वीकार किए बिना भी संबंध बनाए रखे जा सकते हैं। यही स्वतंत्र और जिम्मेदार विदेश नीति की कसौटी है। घरेलू स्तर पर भारत को आपूर्ति संबंधी जोखिमों की तैयारी मजबूत करनी होगी। ऊर्जा स्रोतों में विविधता, भंडारण क्षमता, वैकल्पिक व्यापारिक मार्ग और विभागों के बीच समन्वय जरूरी हैं। स्वच्छ ऊर्जा तथा ऊर्जा दक्षता में निवेश दीर्घकालिक सुरक्षा बढ़ा सकता है। हालांकि तत्काल संकट में कमजोर परिवारों और छोटे उद्यमों को राहत की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी सहायता लक्षित और पारदर्शी होनी चाहिए। सरकार को कीमतों, उपलब्धता और आपूर्ति के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए, ताकि अनिश्चितता अनावश्यक घबराहट या जमाखोरी को बढ़ावा न दे।

पश्चिम एशिया का संकट भारत को विकास की मजबूती का वास्तविक अर्थ समझाता है। ऊंची वृद्धि तभी सार्थक है, जब अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों को सह सके और नागरिक सुरक्षित रहें। भारत को आर्थिक तैयारी, मानवीय जिम्मेदारी और सक्रिय कूटनीति को साथ लेकर चलना होगा। समुद्री रास्ते खुले रहें, भारतीय कर्मचारियों की रक्षा हो और विवाद बातचीत से सुलझें, इन उद्देश्यों पर उसकी नीति केंद्रित होनी चाहिए। स्थायी शांति भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार और विकास के लिए आवश्यक आधार है।

पंजाब में कम हो गये साढ़े तीन लाख वोटर



पंजाब में इस बार जनता किसको सत्ता सौंपेगी, यह अनुमान लगाना अभी कठिन है। आम आदमी पार्टी को भगवंत मान पर ही भरोसा दिख रहा है लेकिन मतदाताओं की बदली गणित उनके अनुमान भी बदल सकती है। निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। राज्य में जिन मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, उनमें से 14.60 लाख मतदाता कम हो गये हैं। दूसरी तरफ 9.97 लाख नये मतदाता जुड़ गये हैं। ये नये मतदाता किसको सत्ता सौंपेंगे,

यह कोई नहीं बता सकता लेकिन जिन मतदाताओं ने आप को सत्ता सौंपी थी उनमें लगभग 14 लाख वोटर अब मतदान नहीं कर पायेंगे।

पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों की अंतिम मतदाता सूचियां आई हैं। राज्य स्तर पर अंतिम मतदाता सूची में 7,97,263 नए मतदाता जोड़े गए हैं, जबकि कुल 13,60,316 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। जून महीने में एसआईआर की प्रक्रिया जब शुरू हुई थी, तब पंजाब में मतदाताओं की संख्या 2,14,61,043 थी। अब 14 अक्टूबर को जारी अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या 2,01,00,727 है। जो योग्य मतदाता अब भी रह गए हैं वह ईसीआईनेट ऐप से ऑनलाइन या ऑफलाइन फॉर्म 6 भरकर अपने आपको मतदाता सूची में शामिल करवा सकते हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार, 14.05.2026 की अधिसूचना के मद्देनजर मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण

2026 की प्रक्रिया पंजाब में 25 जून 2026 से शुरू की गई थी। पंजाब को इस विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 के तीसरे चरण में शामिल किया गया था। पंजाब में 9 जून 2026 तक कुल 2,14,61,043 पंजीकृत मतदाता थे। नोटिस जारी किए गए 35,49,036 मतदाताओं में से 86,038 मतदाताओं को व्यापक जांच और स्पीकिंग ऑर्डर के माध्यम से अयोग्य करार दिया गया था। ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल के कुल 1,93,94,435 मतदाताओं की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 2,01,00,727 हो गई है, जो 3.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। अंतिम सूची के कुल 2,01,00,727 मतदाताओं में 1,03,76,026 पुरुष, 97,24,195 महिला और 506 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

मतदाताओं की पहुंच को आसान बनाने के लिए सभी जिलों में पोलिंग स्टेशनों का रैशनलाइजेशन किया गया, जिससे पोलिंग स्टेशनों की संख्या 24,453 से बढ़कर 25,332 हो गई है।

ईरान पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से ट्रंप का इनकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच, ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों की जमीनी तैनाती में भी कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। हालांकि, अमेरिकी सेना ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और परमाणु सुविधाओं के खिलाफ नए हमले के विकल्प तैयार कर रही है, जिसमें मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स (सभी बमों की जननी) का इस्तेमाल भी शामिल हो सकता है।

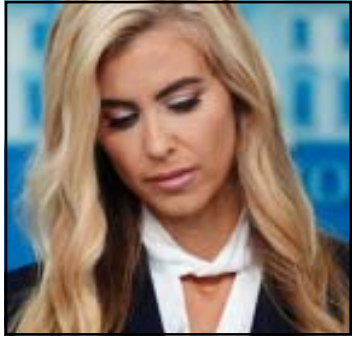
उन्होंने कहा कि तेहरान के खिलाफ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए वाशिंगटन को परमाणु हथियारों का सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है। ट्रंप ने कहा, देखिए, मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स परमाणु हथियार नहीं है। यह बिल्कुल भी परमाणु हथियार नहीं है। यह बस एक बहुत बड़ा बम है। यह एक छोटे परमाणु बम जैसा है, लेकिन मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स एक बहुत बड़ा बम है। फिर भी, यह परमाणु नहीं है। मैं परमाणु हथियारों का इस्तेमाल



नहीं करूंगा। हमें ऐसा करने की जरूरत नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने सेना को आगे के स्ट्राइक पैकेज विकसित करने का निर्देश दिया था जिसमें जीबीयू-43 बी मैसिव ऑर्डनेंस एयर ब्लास्ट (एमओएबी) का उपयोग शामिल हो सकता है, विशेष रूप से ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे और पिकैक्स माउंटन जैसे परमाणु स्थलों के खिलाफ। सीएनएन ने सैन्य योजना से परिचित अधिकारियों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। योजना से परिचित एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि विकल्पों में ऊर्जा अवसंरचना का एक बड़ा हिस्सा शामिल था।

ट्रम्प ने पांच दिन बाद ही केटी को प्रेस सचिव पद से हटाया



अपना नियंत्रण बनाए रखने में मदद करना चाहते हैं।

ट्रम्प ने 16 अक्टूबर को जकारिया से इस पद पर बने रहने के बारे में फिर से सोचने के लिए कहा था। व्हाइट हाउस से वीकेंड ट्रिप पर निकलते समय ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि मैंने उनसे कहा है कि मुझे लगता है कि आपके लिए खुश रहना ज्यादा बेहतर है और मुझे नहीं लगता कि आप इस तरह के काम में कभी खुश रह पाएंगी। इस तरह के काम में कुछ भी आसान नहीं होता।

व्हाइट हाउस पोलियम पर प्रेस सचिव केटी जकारिया की मीडिया ब्रीफिंग काफी खराब रही। इसकी काफी आलोचना हुई। जकारिया का छोटा सा कार्यकाल एक मुश्किल भरी पहली ब्रीफिंग के बाद खत्म हुआ। जब केटी से पूछा गया कि उन्होंने बार एग्जाम (वकालत की परीक्षा) कहाँ से पास की है, तो उन्होंने उलझा देने वाला जवाब दिया। ट्रम्प के अपने सलाहकारों ने यह सब काफी हैरानी और परेशानी के साथ देखा। उनकी कानूनी योग्यताओं पर सवाल उठे और खुद राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से उन पर अविश्वास जताया।

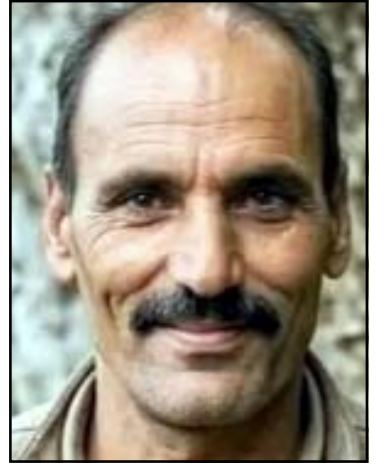
वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया को नौकरी से निकाल दिया। उन्हें इस पद पर आए अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ था। केटी महज पांच दिन ही प्रेस सचिव रहीं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने पुष्टि की कि जकारिया को पद से हटा दिया गया है। उनके कार्यकाल की शुरुआत काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। केटी की कानूनी योग्यताओं पर सवाल उठाए गए और मीडिया के सामने उनके व्यवहार की काफी आलोचना भी हुई। यह घटना नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक दो हफ्ते पहले हुई है। ऐसे समय में जब ट्रम्प अपने प्रशासन की उपलब्धियों को उजागर करना चाहते हैं और रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस पर

बांग्लादेश के पूर्व वायुसेना प्रमुख गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व वायुसेना प्रमुख शेख अब्दुल हन्नान को भ्रष्टाचार के आरोपों में कतर में गिरफ्तार किया गया है। उन पर आय से अधिक 3.28 करोड़ टका की संपत्ति जुटाने और छह बैंक खातों से 27.63 करोड़ टका के संदिग्ध लेनदेन का आरोप है। उनकी पत्नी भी मामले में आरोपी हैं और जांच में कनाडा, दुबई सहित विदेशों में कथित संपत्तियों का पता चला है। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग के अनुसार, हन्नान के खिलाफ पहले भी कार्रवाई हुई थी और उनके विदेश जाने पर प्रतिबंध लगा हुआ था। बांग्लादेश के पूर्व वायुसेना प्रमुख शेख अब्दुल हन्नान को भ्रष्टाचार के आरोपों में कतर में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। आयोग के उपनिदेशक मोहम्मद अख्तरुल इस्लाम के मुताबिक, कतर के अधिकारियों ने 15 अक्टूबर को हन्नान को हिरासत में लिया था। इंटरपोल ने ईमेल के जरिए आयोग को उनकी गिरफ्तारी की सूचना दी।

लापता एसपीओ का जंगल में मिला शव

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता हुए 55 वर्षीय विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बशीर अहमद का शव उनके घर के पास जंगल में मिला। शव के पास उनकी सर्विस राइफल और एक मैगजीन भी बरामद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बशीर अहमद पेडिल पुलिस चौकी में तैनात थे। वह सुबह अपने घर के लिए निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद परिजनों ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। त्रिगाम इलाके में उनके घर के पास स्थित जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल से उनकी सर्विस राइफल और मैगजीन भी मिली है। पुलिस ने बताया कि साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक

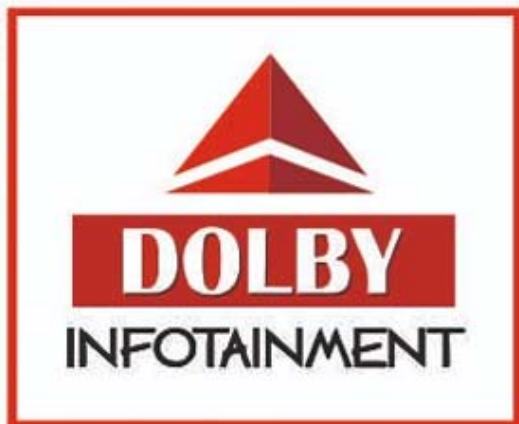


टीम को मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच जारी है।

नशे के मामले में तीन दोषी करार, 19 हजार का अर्थदंड

अंबाला, एजेंसी। नशे के मामले में एनडीपीएस एक्ट की विशेष अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अशोक कुमार की अदालत ने गोल्डी, प्रिंस उर्फ पापा और सूरज को दोषी ठहराया। अदालत ने तीनों को उतनी ही कैद की सजा सुनाई, जितनी वे पहले ही

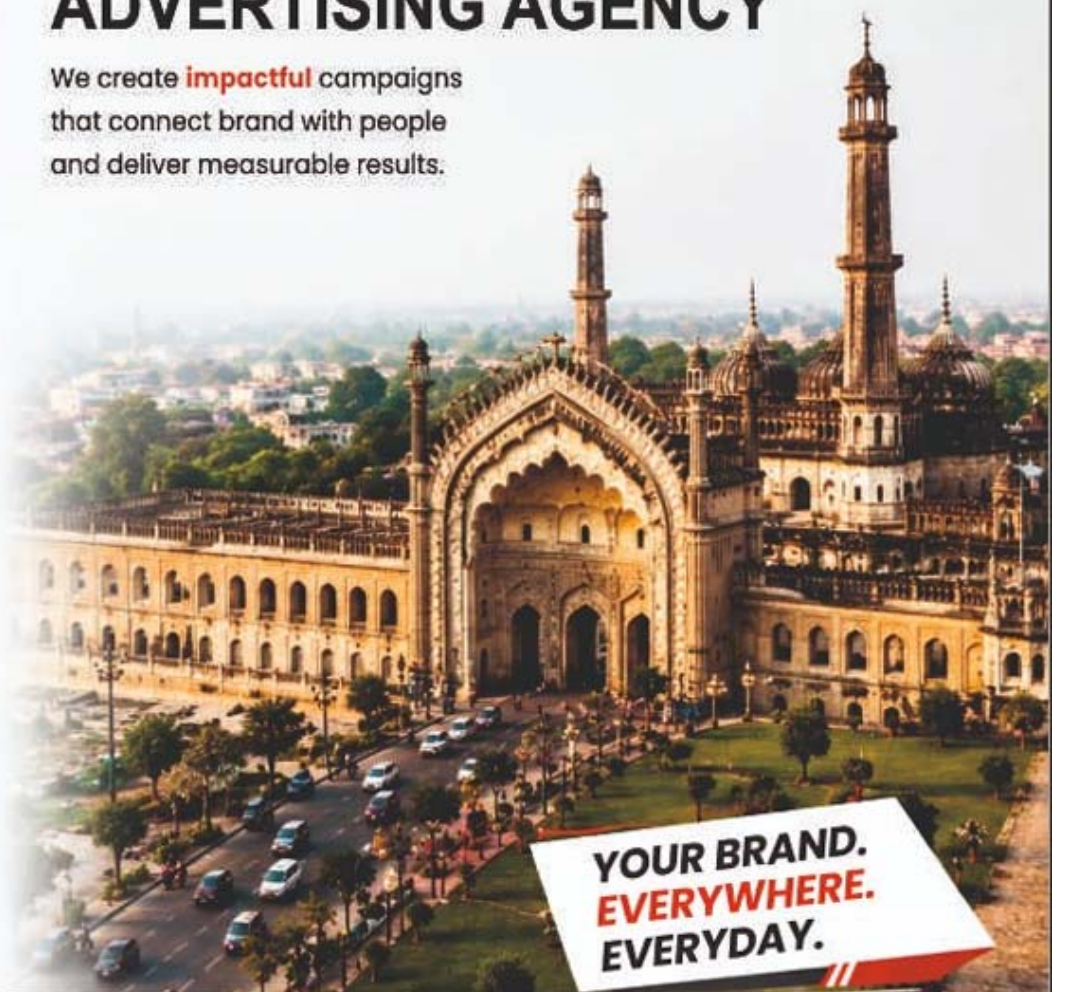
न्यायिक हिरासत में काट चुके हैं। 19 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस थाना अंबाला छावनी में 28 अप्रैल 2021 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने गोल्डी नामक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद की थी।

INDIA'S
LEADING
ADVERTISING AGENCY

We create **impactful** campaigns that connect brand with people and deliver measurable results.

Where brands become legends

- TV & Radio Advertising
- Outdoor Advertising
- Cricket Advertising
- Multiplex Advertising
- Social Media Advertising
- Transit Media Advertising



PRINT | TV | RADIO | DIGITAL | OUTDOOR | EVENTS | ACTIVATIONS | BRANDING



Call us:
0522-4010 844
7985907267 | 8318924761



Website:
dolbyinfotainment.com



Email:
dolbyinfotainment@gmail.com

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के तीखे तेवर से राज्य की राजनीति गरमाई



मनोज कुमार अग्रवाल
मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों फिर वही पुराना सवाल सिर उठाने लगा है कि क्या सूबे की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान का दखल अब भी उतना ही दमदार है, या मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी अलग लकीर खींचने में जुटे हैं? ऊपर से सब कुछ भाजपा के अनुशासित कुनबे जैसा दिखता है, लेकिन बुधनी के कोसमी गांव से लेकर किसानों की मूंग खरीदी और लाड़ली बहना योजना तक, कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने भोपाल के सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि ताजा चिंगारी सीहोर जिले के कोसमी गांव से उठी है। यह वही इलाका है, जहां शिवराज सिंह चौहान की बरसों पुरानी राजनीतिक जमीन रही है। गांव में आदिवासी परिवारों के मकान हटाए जाने, फसलों को नुकसान पहुंचने और कुओं को मिट्टी से भरने की शिकायतों पर शिवराज ने अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर दिया। उनका रुख साफ था कि सरकार किसी की भी हो, गरीब और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करने की बात कही।

देखा जाये तो राजनीति में बात सिर्फ इतनी नहीं है कि किसी गांव में मकान टूटे और एक नेता ने नाराजगी जता दी। सवाल यह है कि शिवराज ने यह आवाज उस सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। मोहन यादव ने भी मामले को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने मुख्य सचिव से जांच कराने और प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास तथा भोजन की व्यवस्था करने की बात कही। दूसरी तरफ, कलेक्टर की रिपोर्ट में वन भूमि पर अतिक्रमण और सागौन के पौधों को नुकसान पहुंचाने के

आरोप सामने आए। यानी मामला केवल सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि वन संरक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई और आदिवासी परिवारों के अधिकारों का भी है।

लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में हर घटना का एक स्थानीय और एक राजनीतिक अर्थ होता है। कोसमी का मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शिवराज ने जिस इलाके में लंबे समय तक अपनी राजनीतिक पकड़ बनाई, वहीं की घटना पर उनका इस तरह सामने आना कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल अपने पुराने मतदाताओं के प्रति जवाबदेही है, या इसके पीछे भोपाल की सत्ता के साथ तालमेल का कोई बड़ा सवाल भी छिपा है?

इस कहानी का दूसरा सिरा लाड़ली बहना योजना से भी जुड़ता है। शिवराज की राजनीति की पहचान बनी इस योजना ने प्रदेश में महिलाओं के बीच उनकी अलग छवि बनाई। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से योजना के खर्च को भारी बताने वाली टिप्पणी ने पुरानी राजनीतिक विरासत और मौजूदा सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है। शिवराज के लिए यह योजना महज सरकारी खर्च का हिसाब नहीं, उनकी राजनीतिक पहचान का भी हिस्सा है। वहीं, मौजूदा सरकार के सामने बजट, दूसरी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बैठाने की चुनौती है।

तीसरा मोर्चा किसानों का है। मूंग की खरीदी को लेकर जब किसान परेशान हुए, तब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खरीद तेज करने की मांग की। राज्य सरकार को आखिरकार खरीदी बढ़ाने की मांग पर सहमति देनी पड़ी। देखा जाये तो यहां भी तस्वीर दिलचस्प है। केंद्र में मंत्री शिवराज, राज्य में मुख्यमंत्री मोहन यादव और बीच में किसान, जिनकी फसल और भुगतान का सवाल सीधे सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। शिवराज

का हस्तक्षेप किसानों के लिए मददगार हो सकता है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह राज्य सरकार पर दबाव भी बनाता है।

यही वजह है कि शिवराज बनाम मोहन की चर्चा बार-बार लौट आती है। एक तरफ शिवराज हैं, जिनकी पहचान लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के गांव-गांव में बने पुराने संपर्कों से जुड़ी है। दूसरी तरफ मोहन यादव हैं, जिन्होंने अपनी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक फैसलों और नेतृत्व की अलग पहचान स्थापित करनी है। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, मगर प्रदेश की राजनीति में उनका असर एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता।

फिर भी, हर मतभेद को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई मान लेना जल्दबाजी होगी। भाजपा में संगठन का अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका है। अभी तक सामने आई घटनाएं प्रशासन, किसान नीति और राजनीतिक विरासत पर मतभेद दिखाती हैं मगर वे किसी औपचारिक सत्ता-संघर्ष को साबित नहीं करतीं।

फिलहाल मध्य प्रदेश की राजनीति का असली इम्तिहान बयानों से आगे होगा। कोसमी की जांच में क्या कार्रवाई होती है, प्रभावित परिवारों को क्या राहत मिलती है, लाड़ली बहना योजना को लेकर राज्य सरकार क्या फैसला करती है और किसानों की खरीदी व्यवस्था कितनी दुरुस्त होती है, इन सवालों के जवाब ही आगे की तस्वीर साफ करेंगे।

बहरहाल, भोपाल की सियासत में मामा शिवराज की हुंकार अब भी गूंज रही है, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपने फैसलों से सत्ता पर अपनी पकड़ और नेतृत्व की लकीर खींचने में जुटे हैं। दोनों के बीच सियासी खिंचाव की आहट साफ सुनाई दे रही है, लेकिन इसे खुली जंग का नाम देना अभी जल्दबाजी होगी।

असली तस्वीर तब खुलेगी जब यह सामने आये कि कोसमी के मामले में सरकार के कदम क्या होते हैं, लाड़ली बहना योजना पर क्या रुख अपनाया जाता है और किसानों के सवाल पर किसका पलड़ा भारी पड़ता है।

क्योंकि मध्य प्रदेश की राजनीति में सियासी इरादे सिर्फ बयानों से जाहिर नहीं होते, उनका असली रंग फैसलों में दिखता है। भोपाल में फिलहाल बयान गूंज रहे हैं, लेकिन निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगली चाल कौन चलता है और बाजी किस करवट बैठती है?



HEER & HARRY

◆ UNISEX SALON ◆
where beauty meets luxury...

◆ 3RD FLOOR ◆

◆ OUR SERVICES ◆



HAIR
SERVICES



SKIN
TREATMENTS



NAIL &
PEDICURE



MEN'S
GROOMING



BRIDAL
PACKAGES

◆ BOOK YOUR APPOINTMENT ◆

☎ 9120313232

कन्या पूजन के साथ करें नवरात्र व्रत पारण माइग्रेन और सामान्य सिरदर्द के बीच के अंतर को कैसे पहचानें?



कुमकुम शर्मा

माँ दुर्गा जी की नवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सिद्धिदात्री देवी सभी सिद्धियों को देने वाली हैं। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लक्षिमा सिद्धियाँ प्राप्ति होती हैं। माँ सिद्धिदात्री भक्तों और साधकों को ये सभी सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार सृष्टि के आरम्भ में भगवान शिव ने आदि शक्ति की कठोर तपस्या की थी। माता सिद्धिदात्री की कृपा से ही भगवान शिव को आठों सिद्धियों की प्राप्ति हुई थी। देवी की अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हो गया था और तभी वे अर्धनारीश्वर कहलाए।

कहते हैं जब दैत्य महिषासुर के अत्याचारों से तीनों लोक परेशान हो गए थे, तब सभी देवता भगवान शिव और विष्णु के पास पहुँचे। तब सभी देवताओं के तेज से एक दिव्य शक्ति का प्रादुर्भाव हुआ, जिन्हें माँ सिद्धिदात्री के नाम से जाना गया। माँ ने राक्षसों का संहार कर तीनों लोकों को आतंक से मुक्त कराया।

माँ सिद्धिदात्री ने भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु को भी अष्ट-सिद्धियों का आशीर्वाद दिया जिससे वे सृष्टि और पालन की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में सक्षम हुए। इन सिद्धिदात्री माता की आराधना से माँ के कृपा पात्र भक्त के भीतर कोई ऐसी कामना शेष ही नहीं बचती जिसे वह पूर्ण करना चाहे। वह सभी सांसारिक इच्छाओं, आवश्यकताओं और स्पृहाओं से ऊपर उठकर मानसिक रूप से माँ भगवती के दिव्य लोकों में विचरण करता हुआ उनके कृपा रस में ही डूबा रहता है देवी का सान्निध्य ही उसका सर्वस्व हो जाता है।

इनका स्तुति मंत्र ये है—

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमैररपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिरा
सिद्धिदायिनी॥

अर्थात् देवी सिद्धिदात्री जिन्हें सिद्ध गंधर्व, यक्ष, देवताओं, दानवों आदि द्वारा पूजा जाता है। उनके हाथों में शंख, चक्र, गदा और कमल है। सभी सिद्धियों की दाता और उनके ऊपर विजय पाने वाली माँ मुझे शुभता और कल्याण प्रदान करें।

नौमी के पूजन के बाद हवन व कन्या भोज कराएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्र का व्रत और पूजन तब तक पूर्ण नहीं माना जाता, जब तक कि कन्याओं का पूजन कर उन्हें आदरपूर्वक भोजन न कराया जाए। इस परंपरा में 9 कन्याओं को देवी का रूप और उनके साथ

1 छोटे बालक (लांगुरिया) को भगवान श्री हनुमानजी का प्रतीक मानकर पूजन व भोजन कराने का विधान है।

आमंत्रण—कन्याओं को एक दिन पूर्व या पूजन वाले दिन उनके घर जाकर सम्मानपूर्वक निमंत्रण देना चाहिए। पूजन के लिए बुलाई जाने वाली कन्याओं की आयु 2 वर्ष से अधिक और 10 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कम से कम 9 कन्याओं और 1 बालक (लांगुरिया) को भोजन अवश्य कराना चाहिए। कन्याओं के लिए पूर्णतः सात्विक और मनपसंद भोजन बनाना चाहिए, जैसेकूपरी, हलवा, खीर और काले चने की सब्जी। भरपेट भोजन कराने के उपरांत कन्याओं को अपनी सामर्थ्य अनुसार दक्षिणा, वस्त्र या उपहार देकर विदा करें। पूजन के दौरान कन्याओं के प्रति असीम आदर और स्नेह रखें। उन्हें किसी भी बात से दुखी न करें।

कन्या पूजन और भोज का आयोजन अमूमन उसी दिन किया जाता है जिस दिन नवरात्र का पारण होता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों व कुलाचार के अनुसार लोग कन्या पूजन संपन्न करते हैं।

नवरात्र के नौ दिनों तक भक्तगण पूरी भक्तिभाव से माता की आराधना करते हैं लेकिन नवरात्र पूजन और व्रत तभी संपन्न माने जाते हैं, जब अंतिम दिन कन्या पूजन किया जाए। जो व्यक्ति अपने घर में माता की स्थापना करता है, वह कन्या पूजन अवश्य करता है लेकिन कन्या पूजन के दौरान बहुत-सी बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना होता है, कन्या पूजन का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होता है। कन्या पूजन के दिन कन्याओं का पूजन करने का प्रावधान है लेकिन किसी भी भक्तगण को कन्या का चयन करते समय उसकी उम्र का ध्यान विशेष तौर पर रखना चाहिए। आमतौर पर ग्यारह साल से कम उम्र की कन्या का ही पूजन करने का ही विधान है।

जब भी आप कन्या पूजन करें तो भोजन से लेकर कन्याओं का पूजन करते समय हर छोटी। छोटी बात का ध्यान रखना चाहिए। मसलन, जब कन्याएं घर में प्रवेश करें तो भक्त को उन्हें पैर धुलाने चाहिए। चूंकि कन्याओं ने बाहर से घर में प्रवेश किया है तो पैर धोने से शुद्धि होती है।

सिरदर्द एक आम समस्या है, जो थकान, तनाव, नींद की कमी, शरीर में पानी की कमी या अन्य कारणों से हो सकती है।

हालांकि, हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता। ये माइग्रेन भी हो सकता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, जिसमें सिरदर्द के साथ कई अन्य लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। दोनों के बीच अंतर पहचानना जरूरी है, ताकि

सही समय पर उचित उपचार किया जा सके। लेकिन कई लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि सामान्य सिरदर्द और माइग्रेन के बीच का अंतर कैसे पहचानें। इस सवाल का जवाब डॉ संकल्प मोहन, वरिष्ठ सलाहकार—न्यूरोलॉजी, फोर्टिस अस्पताल मानेसर बता रहे हैं कैसे फर्क बता करें।

सिरदर्द का सबसे आम रूप तनाव है जो आपको आपके सिर के दोनों तरफ दबाव या कसाव का अहसास देता है। सामान्य सिरदर्द में ऐसा लगता है जैसे किसी ने आपके सिर के चारों ओर एक कसा हुआ बंधन बांध दिया हो। दर्द का लेवल आम



अधिक बढ़ जाता है। दर्द के साथ-साथ मरीज को उल्टी या मितली आना, बुखार, तेज रोशनी और आवाज के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता बढ़ जाता है।

माइग्रेन केवल एक साधारण सिरदर्द नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के दैनिक जीवन को गहराई से प्रभावित करने वाली समस्या है। माइग्रेन के कारण रोगियों को काम करने में, अध्ययन करने में, सोने में, सामाजिक

जीवन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2021 में माइग्रेन तंत्रिका संबंधी विकारों के सबसे बड़े कारणों में से एक था, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है।

सिरदर्द बार-बार और अधिक तीव्रता के साथ आ रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। गंभीर सिरदर्द जो अचानक आते हैं, बोलने में कठिनाई, किसी भी शरीर के हिस्से में कमजोरी, धुंधली दृष्टि, बुखार या नजर में अचानक बदलाव जैसे लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

तौर पर बहुत गंभीर नहीं होता है और नियमित रोजाना की एक्टिविटी के बाद भी बढ़ता नहीं है। अन्य लक्षणों में गर्दन और कंधे के मांसपेशियों का कसाव होता है।

हालांकि माइग्रेन का दर्द आमतौर पर सिर के किसी एक हिस्से में और धड़कन की तरह महसूस होता है, लेकिन कुछ मामलों में यह सिर के दोनों तरफ भी हो सकता है। इस स्थिति में होने वाला दर्द इतना तीव्र होता है कि उसे सहन करना बेहद मुश्किल हो जाता है। किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि जैसे चलना-फिरना या काम करने पर यह दर्द और

wisdom360™
Cultivating Success

(AN IIT/IIM ALUMNI INITIATIVE)

Class V to XII
(CBSE & ICSE)

📞 **70072-79710**

📍 **1/46 Rashmi Khand Sharda Nagar 226002.**

चीन पर भारतीय उत्पादों के लिए बाजार बंद रखने का आरोप, गैर-टैरिफ बाधाएं बड़ी रुकावट : सीतारमण



वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चीन की गैर-टैरिफ बाधाएं भारतीय निर्यात की राह में सबसे बड़ी रुकावट हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन ने भारतीय उत्पादों की मांग की काफी संभावनाएं होने के बावजूद उन्हें अपने बाजार में नहीं आने दिया है। इनमें जेनेरिक दवाएं, पशु मांस और कृषि उत्पाद शामिल हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन बढ़ रहा है।

सीतारमण ने बैंकॉक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व

बैंक की सालाना बैठक के दौरान अटलांटिक काउंसिल की ओर से आयोजित बातचीत में कहा, 'भारतीय उत्पादों को बाजार में प्रवेश दिलाने के लिए लगातार प्रयास करते हुए एक दशक बीत गया लेकिन गैर-टैरिफ बाधाएं बहुत ज्यादा बनी हुई हैं। चीन बिना किसी हिचकिचाहट के इन बाधाओं का इस्तेमाल करता है। भारत और चीन के बीच व्यापार में गैर-टैरिफ बाधाएं सबसे बड़ी रुकावट हैं।'

सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार असंतुलन तेजी से बढ़ा है। भारत ने बार-बार उन उत्पादों के लिए चीनी बाजार में पहुंच मांगी है जिनके उत्पादन में उसे दूसरों के मुकाबले बढ़त हासिल है। मगर इस दिशा में काफी कम प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पादप स्वच्छता से जुड़े नियमों तथा अन्य नियामकीय मुद्दों पर बातचीत की काफी गुंजाइश है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.7 अरब डॉलर से दोगुना से अधिक

बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डॉलर हो गया है।

सीतारमण का यह बयान वाघ्मणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन के साथ भारत एक बार फिर संबंध विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। मगर उन्होंने आगाह किया था कि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

गोयल ने लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में कहा था, 'मुझे लगता है कि अतीत में हमारी कुछ चिंताएं रही हैं। हम चीन के साथ एक बार फिर संबंध विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं मगर इस सफर का अभी अंतिम अध्याय लिखा जाना बाकी है।'

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने चीन के साथ व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए दंडात्मक व्यापार उपाय अपनाने से परहेज किया है। इसके बजाय उसने मुश्किलों के बावजूद बातचीत को प्राथमिकता दी है। यह तरीका कुछ दूसरे देशों के दृष्टिकोण से अलग है।

चीनी का एमएसपी 31 से बढ़ाकर 50 रुपये करने की मांग तेज

महाराष्ट्र और कर्नाटक में किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। महाराष्ट्र में चीनी मिलों के कर्मचारियों ने भी किसानों की मांगों के समर्थन में 22 तारीख से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। किसानों और कर्मचारियों की प्रमुख मांग चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करना है। किसानों का कहना है कि चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उन्हें गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिल पाता है। उनका मानना है कि चीनी का एमएसपी बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलो करने से चीनी उद्योग और गन्ना किसानों को राहत मिलेगी। साथ ही, इसका उपभोक्ताओं पर भी बहुत अधिक असर नहीं पड़ेगा। किसान चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य मौजूदा 31 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति किलो करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही, इथेनॉल का खरीद मूल्य 58 रुपये से बढ़ाकर 70 रुपये प्रति लीटर करने की मांग भी उठाई गई है।



केवल एक बार संशोधन किया गया है। फरवरी 2019 के बाद से चीनी के एमएसपी में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है और यह 31 रुपये प्रति किलो पर स्थिर है।

चीनी उद्योग का सबसे बड़ा खर्च गन्ने की खरीद पर होता है। वर्ष 2020-21 में गन्ने की एफआरपी 2,850 रुपये प्रति टन थी, जिसे 2026-27 के पेराई सत्र के लिए बढ़ाकर 3,650 रुपये प्रति टन कर दिया गया है।

उत्पादन लागत और अन्य खर्चों में लगातार वृद्धि को देखते हुए चीनी उद्योग लंबे समय से न्यूनतम बिक्री मूल्य बढ़ाने की मांग कर रहा है। चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य 50 रुपये प्रति किलो करने समेत अन्य प्रमुख मांगों को लेकर महाराष्ट्र के चीनी उद्योग से जुड़े कर्मचारियों ने 22 तारीख से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

पिछले सात वर्षों में गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में 26 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, लेकिन चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य में

टीवीएस मोटर कंपनी ने लांच की नई टीवीएस रेडियॉन



निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने नई टीवीएस रेडियॉन का अनावरण किया जिसे नए और डायनामिक डिजाइन के साथ बाजार में उतारा गया है। टीवीएस रेडियॉन के 1.1 मिलियन से अधिक ग्राहकों के साथ नई टीवीएस रेडियॉन मोटरसाइकिल की मौजूदा खूबियों को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक और आकर्षक नए डिजाइन में

भारत में त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है इस बीच टीवीएस वेणु के भाग और दुनिया में दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की अग्रणी

पेश की गई है। टीवीएस मोटर कंपनी के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट हेड कम्प्यूटर एंड ईवी बिजनेस और

हेड कॉर्पोरेट ब्रांड एंड मीडिया अनिरुद्ध हल्दार ने कहा, टीवीएस मोटर में हम हमेशा से ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने प्रोडक्ट्स में बदलाव लेकर आते हैं।

29 कि.मी. प्रति लीटर माइलेज वाली नई रेनॉल्ट डस्टर लांच



हिस्से के रूप में भारत ला रहे हैं। हमारा उद्देश्य भारतीय ग्राहकों तक रेनो की बेहतरीन वैश्विक तकनीकें पहुंचाना है।

भारत में रेनो ग्रुप के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा, "डस्टर सेगमेंट में लगभग आधी डीजल गाड़ियां 17 लाख से 20 लाख रुपए के दायरे में बिकती हैं। डीजल ऑटोमैटिक गाड़ियों के मामले में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत से भी अधिक है। हमारा मानना है कि जो ग्राहक डीजल गाड़ी लेने की सोच रहे हैं, उनके लिए यह एक बेहतर विकल्प है। इसमें कम ईंधन की खपत के साथ-साथ बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव मिलता है। इसके लिए ग्राहकों को अपनी ड्राइविंग की आदतों या जगह को बदलने की कोई जरूरत नहीं है।"

'इमोशन' वेरिएंट में 'ड्यून ब्राउन' लेदरेट अपहोल्स्ट्री दी गई है, जिसमें फ्रंट वेंटिलेशन और छह मोड में पावर एडजस्टमेंट की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, 'टेक्नो' वेरिएंट में 'डेजर्ट बेज' सेमी-लेदरेट अपहोल्स्ट्री मिलती है। इसमें नए डिजाइन के हेडरेस्ट दिए गए हैं, जिससे केबिन के अंदर अधिक जगह होने का एहसास होता है। रेनो डस्टर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 की बुकिंग पिछले सप्ताह शुरू हो गई थी।

रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय इकाई रेनो इंडिया ने अपने डस्टर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 को आधिकारिक तौर पर भारतीय बाजार में उतारा। कंपनी ने बताया कि इसकी एक्स-शोरूम कीमत 16.99 लाख रुपए से 19.49 लाख रुपए रखी गई है। इसमें 1.8-लीटर पेट्रोल इंजन, दो इलेक्ट्रिक मोटर और 1.4 किलोवाट आवर की बैटरी है, जो कुल मिलाकर 160 पीएस की शक्ति देती है। रेनो डस्टर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 का माइलेज 29 किमी/लीटर है। इसलिए आम तौर पर जो लोग माइलेज के लिए डीजल इंजन पसंद करते हैं, उनके लिए यह पेट्रोल इंजन में एक बेहतरीन विकल्प बन सकता है।

एक इंटेलेजेंट मल्टी-मोड ट्रांसमिशन ड्राइविंग की स्थितियों के अनुसार पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर पर अपने-आप स्विच करता है। यह सिस्टम सही

स्थितियों में इलेक्ट्रिक पावर का इस्तेमाल कर सकता है, गति कम करने और ब्रेक लगाने के दौरान ऊर्जा बचा सकता है। गाड़ी चलाते समय बैटरी चार्ज होती है और इसे बाहरी चार्जिंग की जरूरत नहीं होती है। इवोल्यूशन स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 की एक्स-शोरूम कीमत 16.99 लाख रुपए रखी गई है। टेक्नो स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 की कीमत 18.99 लाख रुपए और इमोशन स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड ई-टेक 160 की कीमत 19.49 रुपए है। इनका निर्माण कंपनी के चेन्नई स्थित संयंत्र में किया जा रहा है।

भारत में रेनो ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन डेब्लेस ने कहा, "साल 2020 से दुनिया भर में 10 लाख से अधिक ई-टेक स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों की बिक्री के साथ यह रेनो की एक प्रमाणित पावरट्रेन तकनीक है। अब, हम इसे अपने 'प्यूचर-रेडी इंडिया' रोडमैप के

www.RashiSanyog.com

आपकी रूख कुण्डली में बैठे जन्मदात्री अहो जरी शान्ति हेतु एवं सुखमय व आनन्दमय जीवन का पथ देने के लिये नईय आपकी साथ हैं "ज्योतिषाचार्य एस० सी० गुप्ता"

Get Appointment with Astrologer **S. C. Gupta**

Mail to: Rashisanyog@gmail.com | Like us on: Facebook.com/rashisanyog Follow us: Twitter.com/rashisanyog

MY SPORT CART
LIVE . PLAY . WIN

ONLINE SHOPPING
Customer Care:
+91-9654477772
(10am - 8pm)
www.mysportcart.com

24 साल के खिलाड़ी ने 14 गेंदों में लगाया अर्धशतक, बाल-बाल बचा वैभव सूर्यवंशी का वर्ल्ड रिकॉर्ड



रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। जैक ने यह आक्रामक पारी साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड बुल्स के मैच के दौरान खेली। वह वनडे कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम इंडिया के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के नाम दर्ज है। उन्होंने इसी साल श्रीलंका ए के खिलाफ खेले गए मैच में सिर्फ 11 गेंदों में ही फिफ्टी ठोक दी थी। हालांकि वह उस मैच में शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रनों की ऐसी धमाकेदार पारी खेलकर आउट हुए थे। उनकी इस तूफानी पारी में 10 चौके और 8 लंबे छक्के शामिल थे। लेकिन जैक फ्रेजर मैकगर्क इस रिकॉर्ड को आज तोड़ नहीं पाए।

ऑस्ट्रेलिया के 24 साल के ओपनर जैक फ्रेजर मैकगर्क ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया है। ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों पर ही शानदार अर्धशतक लगाया और देखते ही देखते 63 गेंदों में 122 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल थे। मैकगर्क ने इस दौरान सिर्फ 49 गेंदों पर अपना शतक भी पूरा कर लिया। हालांकि, वह लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी लगाने का वैभव सूर्यवंशी का वर्ल्ड

रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। जैक ने यह आक्रामक पारी साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड बुल्स के मैच के दौरान खेली। वह वनडे कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम इंडिया के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के नाम दर्ज है। उन्होंने इसी साल श्रीलंका ए के खिलाफ खेले गए मैच में सिर्फ 11 गेंदों में ही फिफ्टी ठोक दी थी। हालांकि वह उस मैच में शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रनों की ऐसी धमाकेदार पारी खेलकर आउट हुए थे। उनकी इस तूफानी पारी में 10 चौके और 8 लंबे छक्के शामिल थे। लेकिन जैक फ्रेजर मैकगर्क इस रिकॉर्ड को आज तोड़ नहीं पाए।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जैक

फ्रेजर मैकगर्क ने आईपीएल के अपने पहले सीजन में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया था। उस सीजन उन्होंने लगभग 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। हालांकि वह अपने दूसरे सीजन में कुछ खास कमाल नहीं कर पाए और फेल हो गए। लेकिन अब उनकी मौजूदा फॉर्म को देखकर ऐसा लग रहा है कि आईपीएल में उनकी एक बार फिर वापसी हो सकती है। चूंकि ऑक्शन पास ही है, इसलिए कई टीमों की नजरें उन पर टिकी होंगी। आपको बता दें कि मैकगर्क ने आईपीएल में अब तक सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स के लिए ही मैच खेले हैं। उन्होंने अब तक 15 फ्ल मैचों में 199.48 के स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं। साउथ ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड के बीच खेले जा रहे मैच की बात करें तो वहां पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 397 रन बनाए। मैकगर्क के अलावा इस कप्तान नाथन मैक्स्वनी ने भी शतक लगाया।

नीरज चोपड़ा चोट के बाद अगले साल करेंगे दमदार वापसी



ओलंपिक और विश्व चैंपियन जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कहा है कि चोट लगने के बाद वह अगले साल जोरदार वापसी करने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मुख्य लक्ष्य 2028 के ओलंपिक खेलों में बेहतरीन

प्रदर्शन करना है। नीरज चोपड़ा, जिन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में स्वर्ण पदक और पेरिस 2024 ओलंपिक में रजत पदक जीता था, हाल के वर्षों में भारत के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। हालांकि, ट्रेनिंग के दौरान टखने की लिगामेंट में चोट लगने के कारण वह हाल ही में जापान में हुए एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए, और इस चोट की वजह से वह इस सीजन के बाकी मैचों से भी बाहर हो गए हैं। देसीउत्पाद खोजें

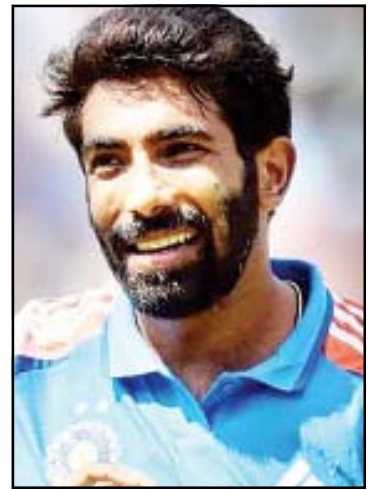
मुंबई में 2026 ऑडी क्यू3 के लॉन्च के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए नीरज चोपड़ा ने कहा कि ओलंपिक में अभी

कुछ समय है यह 2028 में आयोजित होगा। जैसा कि आप जानते होंगे, मुझे चोट लग गई थी, लेकिन अब मैं वापसी करने की प्रक्रिया में हूँ। मेरा पूरा ध्यान अगले साल एक मजबूत वापसी करने और उस तरह का प्रदर्शन देने पर है, जिसका मैंने लक्ष्य रखा है। उन्होंने एशियाई खेल 2026 में भारतीय जैवलिन थ्रोअर यश वीर सिंह और रोहित यादव के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनके और किशोर जेना की गैर-मौजूदगी में इन खिलाड़ियों का पदक जीतना, भारत में युवा जैवलिन प्रतिभाओं की बढ़ती संख्या को दर्शाता है। उन्होंने उन्हें चोट से बचकर रहने और खेल का आनंद लेने की सलाह दी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे फिट बुमराह, टीम इंडिया ने बनाया मास्टर प्लान

भारतीय टीम के गेंदबाजी यूनिट के कप्तान इस समय जसप्रीत बुमराह हैं। फॉर्मेट कोई भी हो और कप्तान भी कोई भी हो, वह चाहेगा कि उसकी टीम में जसप्रीत बुमराह खेलें, लेकिन भारतीय टीम मैनेजमेंट का प्लान फिट बुमराह के लिए काफी अलग है। जसप्रीत बुमराह को सिर्फ और सिर्फ एक फॉर्मेट पर फोकस करने के लिए कहा गया है। यह फॉर्मेट है रेड बॉल क्रिकेट।

भारत का यह प्रीमियर बॉलर आपको सिर्फ रेड बॉल पकड़े ही अगले कुछ महीने नजर आएगा। सीमित ओवरों की क्रिकेट से उसे आराम दिया जाएगा। रिपोर्ट की मानें, तो टीम मैनेजमेंट चाहता है कि बुमराह सिर्फ रेड बॉल क्रिकेट पर फोकस करें। यही कारण है कि उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जाने वाली दो



मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया-ए गेम में उतारा जा सकता है। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया में 3-1 से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हार मिली थी। ऐसे में भारतीय टीम मैनेजमेंट चाहता है कि भारत कम से कम घर पर इस सीरीज को फिर से जीते।

BHATIA BAKERY
Freshly Baked, Lovingly Made

OUR BRANCHES

- TELIBAGH | Main Market
- AKASH ELDECO | Bharat Petrol Pump
- VRINDAVAN | Sector-16

OUR SPECIALITIES

- New year Cakes
- Christmas Cakes
- Customised Cakes
- Chocolates Cakes
- Gift Hampers

Made with The Finest Ingredients

Contact Us: 9889731634

YOGA FOR EVERY BODY
HEALTH • HARMONY • HAPPINESS

Self Healing Centre

BREATHE STRETCH TRANSFORM

REGULAR YOGA CLASSES	₹1000/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
LIFESTYLE DISEASES YOGA	₹1200/- PER MONTH	5:30 am to 6:30 am 6:30 am to 7:30 am 11:00 am to 12:00 pm 6:00 pm to 7:00 pm
SPECIAL YOGA SESSION	₹5000/- PER MONTH (ONE TO ONE)	ONE TO ONE PERSONAL ATTENTION
PREGNANCY YOGA CLASSES	₹1500/- PER MONTH	12:00 pm to 12:45 pm

CLASSES WILL BE TAKEN THROUGH **GOOGLE MEET** IN HINDI LANGUAGE. (MONDAY TO FRIDAY)

BENEFITS OF YOGA

- IMPROVES FLEXIBILITY
- REDUCES STRESS & ANXIETY
- BOOSTS IMMUNITY
- BETTER SLEEP & FOCUS
- SUPPORTS OVERALL WELL-BEING

CONTACT US 9532972266 | Small Steps Today, Stronger You Tomorrow.

mail:info@tvindialive.com
tvindialive.til@gmail.com

Largest social media news network

TV INDIA Live

www.tvindialive.in
www.facebook.com/tvindialive
www.facebook.com/tillucknowexpress

चिड़ियाघर टीवी सीरियल में शिल्पा शिंदे बनी थीं कोयल



शिल्पा शिंदे के एक टीवी सीरियल में शेर, घोड़ा, गधा, कोयल, हाथी से लेकर बंदर तक सभी जानवर देखने को मिले थे।

हालांकि इस कहानी में टिवस्ट यह था कि जानवर असलियत में नहीं बल्कि इनकी खासियतों को सीरियल की कहानी में दिखाया गया था, जिसने दर्शकों को इतना हंसाया कि 1522 एपिसोड पूरे किए। कहानी बनारस की पृष्ठभूमि पर आधारित थी लेकिन इस कहानी में हैरानी की बात यह थी कि भाभीजी घर पर है की तरह इस सीरियल में भी शिल्पा शिंदे को शुभांगी अत्रे ने रिप्लेस किया था, जिसकी खूब चर्चा हुई थी।

जेलर-2 के कलाकार अनिरुद्ध से शादी करेंगी काव्या मारन



जेलर-2 फिल्म के म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंद्र की पर्सनल लाइफ से जुड़ी एक खुशखबरी सामने आई है। वह आईपीएल टीम सनराइज हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन से शादी करने वाले हैं। चर्चा बीते काफी दिनों से थी लेकिन अब नई वेडिंग अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक कपल नवंबर 2026 में शादी करने वाला है। वहीं जहां 11 नवंबर को ग्रीस में कपल की शादी हो सकती है तो वहीं 21 नवंबर को वेडिंग रिसेप्शन का अपडेट सामने आया है। हालांकि इससे पहले कहा जा रहा था कि 14 नवंबर को रिसेप्शन होगा लेकिन अनिरुद्ध रविचंद्र और काव्या मारन ने शादी या रिसेप्शन की खबर को कंफर्म नहीं किया था।

अनिरुद्ध रविचंद्र और काव्या

शो में इन जानवरों को नहीं बल्कि इनसानों को दिखाया गया था, जिसमें इन जानवरों की खूबियों को एक्टर्स ने बखूबी निभाया था। सीरियल की अवधि 19 से 21 मिनट की थी। इस शो को अश्वनी धीर ने डायरेक्ट किया था, जो सब टीवी पर प्रसारित होता था। भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार को पॉपुलर करने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे भी इस सीरियल में कोयल के किरदार में थीं लेकिन 2013 में उन्होंने शो छोड़ दिया था जबकि 2014 में उन्होंने फिर से वापसी की। इस दौरान उनका किरदार नई अंगूरी भाभी यानी शुभांगी अत्रे ने निभाया। इसके चलते वह चर्चा में रहीं।

चिड़ियाघर सीरियल में बनारस के एक मोहल्ले को चिड़ियाघर का नाम दिया गया, जिसमें एक रिटायर्ड प्रिंसिपल केसरी नारायण के परिवार की कहानी दिखाई गई है, जिसमें उनके बेटे घोटक और गोमुख के परिवार को दिखाया गया है, जिनकी पत्नी कोयल और मयूरी हैं। उनका एक बेटा कपि भी है। इसके अलावा सीरियल में गिल्लू, गज, मच्छर, मक्खी, मैना, तोताराम, बिल्लो, नागिन और गधा प्रसाद का किरदार भी हैं। शो में संस्कारों को भी महत्व दिया गया। इस शो का गधा प्रसाद किरदार काफी पॉपुलर हुआ था।

नैनीताल में शुरू हुई जान्हवी, श्रीलीला और सिद्धार्थ गुप्ता स्टारर फिल्म की शूटिंग

जान्हवी कपूर, श्रीलीला और सिद्धार्थ गुप्ता अनटाइटल्ड थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं, जिसे उमेश बिष्ट द्वारा डायरेक्ट किया जा रहा है। ऐसे में फिल्म को लेकर नई अपडेट सामने आई है कि इसके फर्स्ट शूटिंग शेड्यूल की शुरुआत नैनीताल में होने जा रही है।

डेवलपमेंट के करीब सूत्र का कहना है, 'टीम ने फिल्म के फर्स्ट शूटिंग शेड्यूल की शुरुआत नैनीताल में कर दी है और प्रोजेक्ट को लेकर ऐसे में बहुत सारा उत्साह बना हुआ है। इस थ्रिलर के लिए सिद्धार्थ गुप्ता, श्रीलीला और जान्हवी कपूर के साथ आने से जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने मिलने वाला है। ऐसे में, अब टीम का पूरा ध्यान कहानी को आकार देने पर है और इस तरह से ऑफिशियली इसकी शूटिंग प्लान के मुताबिक शुरू हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह अनटाइटल्ड फिल्म एक रोमांटिक थ्रिलर है जहां दो औरतों को एक ही शख्स से प्यार हो जाता है, जिससे एक दिलचस्प कहानी की शुरुआत होती है। फिल्म को एकता कपूर और गुनीत मोंगा कपूर द्वारा एक साथ प्रोड्यूस किया जा रहा है। इस फिल्म में रोमांस और



रिलेशनशिप के गहरे और उलझे हुए पहलुओं की झलक देखने मिलने वाली है।

इस प्रोजेक्ट में तीन ऐसे कलाकार साथ आ रहे हैं, जिनकी फिल्मी दुनिया अलग-अलग रही है। जान्हवी कपूर 'होमबाउंड', 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'पेड़ों' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वहीं, श्रीलीला ने 'धमाका' और 'गुंदूर कारम' जैसी फिल्मों के जरिए अलग-अलग इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। इसके अलावा, 'पुष्पा 2' के गाने 'किसिक' में अपने अंदाज को लेकर भी उन्होंने काफी ध्यान खींचा। दूसरी तरफ,

सिद्धार्थ गुप्ता ने 'कृष्णावतारम् पार्ट 1' में भगवान कृष्ण का किरदार निभाकर दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया है। उमेश बिष्ट इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। उमेश अब तक 'पगलैट', 'द ट्रायल' सीजन 2, 'ग्यारह ग्यारह' और 'कौन? हू डिड इट?' जैसे प्रोजेक्ट्स दे चुके हैं। ऐसे में लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, फिल्म के फर्स्ट शेड्यूल का आगाज नैनीताल में हो चुका है, लेकिन फिल्म के टाइटल से लेकर किरदारों और अन्य कास्ट मेंबर से जुड़ी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है।

कलाकार बिंदु ने 8 भाई-बहनों की उठाई जिम्मेदारी



एक्ट्रेस बिंदु का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जहां कला और सिनेमा का माहौल पहले से मौजूद था। उनके पिता नानूभाई देसाई एक फिल्म निर्माता थे। जबकि मां ज्योत्सना स्टेज आर्टिस्ट का काम करती थीं। बिंदु सात बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी, जिसके चलते 8 भाई-बहनों की जिम्मेदारी उन्होंने खुद उठाई क्योंकि पिता के निधन के बाद उनके परिवार पर मुश्किलों का पहाड़ टूट गया था।

मॉडलिंग में करियर शुरू कर चुकीं बिंदु ने साल 1962 में आई फिल्म 'अनपढ़' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्होंने माला सिन्हा की बेटा का किरदार

निभाने को मिला। हालांकि, उन्हें हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए अभी लंबा सफर तय करना था। इसके बाद 1969 में आई 'दो रास्ते' और 'इत्तेफाक' जैसी फिल्मों ने उनके करियर को आगे बढ़ाने का काम किया। साल 1970 में 'कटी पतंग' रिलीज हुई, जिसने उनके एक्टिंग करियर को एक नई पहचान दी। इसके बाद वह ऐसे किरदारों के लिए पहचानी जाने लगी, जिसमें ग्लैमर, आत्मविश्वास और बेबाकी नजर आती थी। बिंदु के करियर का टर्निंग प्वाइंट 1973 में आई अमिताभ बच्चन की फिल्म 'जंजीर' थी, जिसमें उन्होंने मोना डार्लिंग का आइकॉनिक किरदार निभाया और दर्शकों का ध्यान खींचा। आज मोना डार्लिंग का नाम हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय फिल्मी पहचान का हिस्सा बन गया। उस दौर में जब एक्ट्रेस के लिए ग्लैमरस और नकारात्मक किरदार निभाना आसान नहीं था तब बिंदु ने अपनी स्क्रीन इमेज को ही अपनी ताकत बना लिया। दर्शकों के बीच वह नफरत के लिए जानी जाती थीं। बिंदु के किरदारों का उनकी पर्सनल लाइफ पर ऐसा असर पड़ा कि महिलाएं अपने पतियों

को उनसे छिपाने लगीं। इसका जिक्र वह खुद कई बार कर चुकी हैं।

एक्ट्रेस बिंदु की प्रोफेशनल लाइफ जितनी चर्चा का विषय रही, उतनी ही उनकी निजी जिंदगी दिलचस्प रही। कहा जाता है कि लगभग 15 साल की उम्र में बिंदु को अपने पड़ोसी और कारोबारी चंपकलाल झवेरी से प्यार हो गया था। हालांकि परिवार इसके लिए तैयार नहीं था। लेकिन उन्होंने विरोध के बावजूद शादी की।

प्रधान संपादक
रुचिर सिंह सिसौदिया
स्थानीय संपादक
सुधीर निगम

कार्पोरेट कार्यालय—
सेक्टर-सी0-1, सी0-25,
एल0डी0ए0 कालोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ
उ0प्र0-226012

टी.आई.एल. एक्सप्रेस
स्वामी एवं प्रकाशक रुचिर
सिंह सिसौदिया द्वारा न्यू
अनुग्राफिक्स, पार्क रोड
लखनऊ से मुद्रित एवं 279
कटरा बांदा से प्रकाशित
फोन नं0-0522-4010844

Mail us-
tvindialive.til@gmail.com
Log on- tvindialive.in,
tvindialive.com,
www.facebook.com/
tvindialive/
https://www.youtube.com/tvindialivedigi

